Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 07 June 2023 ● Year : 01 ● Issue : 141 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जिस प्रकार पतझड़ के बाद पेड़ो पर नए पत्ते आते हैं, उसी प्रकार जीवन में संघर्ष और कठिनाइयों के बाद ही अच्छे दिनों का आगमन होता है, बस आपको खुद पर धैर्य रखना होगा।

नेहा सोलंकी ने तितली में अपने किरदार के...

SHARE

सेंसेक्स	:	62,792.88
निफ्टी	:	18,599.00

SARAFA

सोना	:	5,695
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रिम्स के प्रभारी निदेशक बने डॉ. आरके गुप्ता

RANCHI : रिम्स का प्रभारी निदेशक आई डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ आरके गुप्ता को बनाया गया है। उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया है। रिम्स के पीआरओ डॉ राजीव रंजन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रिम्स निदेशक के प्रभार के लिए चार डॉक्टरों का नाम विभाग को भेजा गया था। इसमें मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ विद्यापति, आई एचओडी डॉ आरके गुप्ता, मेडिसिन के डॉ सीबी शर्मा और एनाटॉमी के एचओडी डॉ एके दुबे शामिल थे। विभाग की ओर से चारों डॉक्टरों का साक्षात्कार भी लिया गया था। डॉ एके दुबे ने जहां निदेशक का प्रभार लेने से इनकार कर दिया था, वहीं प्रभारी निदेशक के लिए दो डॉक्टर शॉर्टलिस्ट किए गए थे। इनमें मेडिसिन विभाग के डॉ विद्यापति और डॉ आरके गुप्ता का नाम शामिल था। स्वास्थ्य मंत्री सह जीबी के अध्यक्ष के निर्णय पर डॉ आरके गुप्ता को प्रभारी निदेशक बनाया गया है।

सीबीआई ने बालासोर रेल हादसे मामले में दर्ज की एफआईआर

NEW DELHI : ओडिशा रेल हादसे को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। सीबीआई ने ओडिशा के बहानागा बाजार में ट्रेन दुर्घटना से संबंधित मामला दर्ज किया। सीबीआई ने रेल मंत्रालय की सिफारिश, ओडिशा सरकार की सहमति और डीओपीटी (भारत सरकार) के अगले आदेशों पर मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि 2 जून, 2023 को ओडिशा राज्य के बहनागा बाजार में कोरोमंडल एक्सप्रेस, यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी से संबंधित ट्रेन दुर्घटना का मामला सामने आया था।

सीबीआई ने इस दुर्घटना के संबंध में जीआरपीएस केस संख्या 64 (तारीख- 3 जून 2023) बालासोर जीआरपीएस, जिला कटक (ओडिशा) में पूर्व में दर्ज मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। सीबीआई की एक टीम बालासोर (ओडिशा) पहुंच गई है। मामले की जांच जारी है।

झारखंड में 10 जून तक लू का अलर्ट

RANCHI : झारखंड में अभी मौसम का मिजाज और गर्म होगा। धूप तेज होगी, तापमान बढ़ेगा और राज्य के कई हिस्सों में लू चलेगी। थोड़ी बारिश से भले ही कुछ जिलों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई हो लेकिन मौसम विभाग लू को लेकर लगातार अलर्ट जारी कर रहा है। इस मौसम में सावधान रहने, बेवजह धूप में बाहर ना निकलने और बढ़ते तापमान में खुद को सुरक्षित रहने की अपील की है। झारखंड के जिन इलाकों में तापमान बढ़ रहा है उनमें उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज जैसे इलाके हैं, जहां तापमान में वृद्धि हो रही है। इन इलाकों में लू चल रही देवघर में अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री के आंकड़े को पार कर रहा है। गढ़वा में 40.7, गिरिडीह में

हजारीबाग में 33 घंटे तक चली संजय सिंह के घर ED की RAID

पांच सीलबंद पीले रंग के लिफाफे में दस्तावेज साथ ले गई टीम

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : हजारीबाग के बालू व्यवसायी संजय सिंह के मिशन रोड स्थित आवास पर 33 घंटे तक ईडी की छापेमारी चली। ईडी के अधिकारी मंगलवार की शाम करीब 4.45 बजे रांची के लिए निकल गये। ईडी छापेमारी में पांच सीलबंद पीले रंग के लिफाफे में दस्तावेज भी अपने साथ ले गई। तीन गाड़ी से ईडी की टीम संजय सिंह के आवास पर सोमवार की सुबह 7:00 बजे दस्तक दी थी। उसके बाद से लगातार छापेमारी का दौर चल रहा था। महिला सुरक्षा बल की उपस्थिति में छापेमारी की गई। सील बंद लिफाफा में ले जानेवाले दस्तावेज के बारे में ईडी ने किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी। 33 घंटे की छापेमारी के दौरान किसी भी व्यक्ति को घर के अंदर जाने की इजाजत नहीं दी गई थी। वहीं उनके आवास के गार्ड भी 33 घंटे अंदर ही रहे। साथ ही किसी को बाहर भी निकलने नहीं दिया गया।

हजारीबाग क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी भी हैं संजय सिंह : बता दें कि संजय सिंह हजारीबाग के प्रसिद्ध व्यवसायियों में एक हैं। साथ ही हजारीबाग क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी भी हैं। उनके बड़े भाई मणिपुर में राजीव कुमार सिंह डीजीपी के पद पर सेवा दे रहे हैं। सदर हॉस्पिटल के सामने उन्होंने हाल में एक क्लिनिक भी खोला है। संजय सिंह आरा के कोलयवर से मुखिया भी रह चुके हैं। बालू के साथ ठेकेदारी और फिल्म जगत में पैसा लगाना भी इनके व्यवसाय का हिस्सा है। ऐसे में कहा जाए तो ईडी की बड़ी दबिश हजारीबाग में देखने को मिली है। बिहार के जाने-माने बालू व्यवसायी जगनारायण सिंह के यह पार्टनर भी बताए जाते हैं। संजय सिंह के पार्टनर कारोबारी जगनारायण सिंह के ठिकानों पर भी धनबाद में ईडी की रेड चली थी। मामला बिहार के औरंगाबाद में सैंड माइनिंग से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

छापेमारी के बाद बालू कारोबारी संजय सिंह के घर से निकलती ईडी की टीम ● फोटोन न्यूज

धनबाद में 5 कारोबारियों के घर ईडी ने दी दबिश

जगनारायण सिंह उर्फ जगन सिंह के बेकारबांध फोरेस्ट कॉलोनी स्थित आवास, जगनारायण सिंह के कंबाइंड बिल्डिंग में सिटी सेंटर में दो कार्यालय, जगनारायण सिंह के पिता नौरंगदेव सिंह के एलसी रोड स्थित आवास, पुंज सिंह के मेमको के पास अलौकिक कासा में स्थित आवास, मिथिलेश सिंह के मेमको के पास अलौकिक कासा में स्थित आवास, सुरेंद्र जिंदल का धैया चनचनी कॉलोनी स्थित आवास, अशोक जिंदल के सिंदरी में नूतनडीह स्थित आवास पर ईडी ने कार्रवाई की है।

धनबाद : दूसरे दिन भी जारी रही ED की छापेमारी

PHOTON NEWS DHANBAD : बिहार के बालू खनन में हुए घालमेल पर ईडी की की छापेमारी दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रही। सोमवार सुबह से छापेमारी कर रही टीम बालू खनन से जुड़े तमाम दस्तावेज खंगाल रही है। नकद, गहने, बैंक खाते, निवेश के दस्तावेज के साथ-साथ बंगले, गाड़ी और जमीन के पेपर व अन्य चल-अचल संपत्तियों का ब्योरा खंगाला जा रहा है। आरोपियों के घर का चप्पा-चप्पा तलाशा गया। ईडी की छापेमारी जगनारायण सिंह, पुंज सिंह, सुरेंद्र जिंदल, अशोक जिंदल, रितेश शर्मा, मिथिलेश सिंह के ठिकानों पर हुई है। ईडी की जांच अभी पूरी नहीं हुई है, किसके यहां से क्या मिला है, यह तो अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन बताया जा रहा है कि दो-तीन लोगों के ठिकानों से भारी मात्रा में नकद बरामद हुए हैं। हालांकि, ईडी के तरफ से अभी तक कोई बयान जारी नहीं हुआ है कि छापेमारी में क्या-क्या बरामद हुआ है। मालूम हो कि ईडी की टीम धनबाद के साथ-साथ जदयू एमएलसी राधाचरण साह उर्फ सेठ के पटना वीरचंद पटेल स्थित सरकारी आवास, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के करीबी दानापुर निवासी सुभाष यादव तथा हजारीबाग निवासी झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष संजय सिंह के हजारीबाग, पटना, आरा के कोइलवर के कुल 24 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

धनबाद में आठ ठिकानों पर दबिश : सोमवार की अहले सुबह ईडी पटना की अलग-अलग टीमों ने धनबाद जिले में बालू कारोबारियों के आठ ठिकानों पर दबिश दी। बालू कारोबारी सोए हुए ही थे कि ईडी की टीम उनके घरों में दबिश दे दी। कई जगह पर तो अभी गेट भी नहीं खुले थे लेकिन चहारदीवारी फांद कर ईडी की टीम अंदर प्रवेश की और सोए लोगों को उठाकर बताया कि जांच को ईडी की टीम पहुंची है। धनबाद में ईडी की छापेमारी बालू खनन से जुड़ी ब्राडशन कम्युडिटी प्राइवेट लिमिटेड व मोर मुकुट मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर पुंज सिंह, कंपनी के साझेदार सुरेंद्र जिंदल, जगनरायण सिंह उर्फ जगन सिंह और मिथिलेश सिंह के अलावा टीपी सिंह, बिल्डर सह अलौकिक ग्रुप के सीईओ रितेश शर्मा के घर और ऑफिस को ईडी की टीम खंगाल रही है।

दिनेश गोप की रिमांड खत्म, भेजा गया जेल

21 मई को दिल्ली से एनआईए ने किया था गिरफ्तार

फाइल फोटो

CRIME REPORTER RANCHI : प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच एनआईए के विशेष न्यायाधीश मधुरेश प्रसाद वर्मा के कोर्ट में पेश किया गया। एनआईए के आग्रह को देखते हुए कोर्ट ने दिनेश गोप को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेजने का आदेश दिया। एनआईए आवश्यकता पड़ने पर फिर से बाद में दिनेश गोप को रिमांड पर ले सकती है। इससे पूर्व सोमवार को एनआईए ने दिनेश गोप को एक दिन के लिए पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया था।

आपकों बता दें कि पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को एनआईए ने 21 मई को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इसके बाद ट्रांजिट रिमांड पर विमान से रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लाया गया था। दिनेश गोप के खिलाफ झारखंड, बिहार और ओडिशा में हत्या, अपहरण, धमकी, जबरन वसूली और पीएलएफआई के लिए धन जुटाने से संबंधित 102 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। झारखंड पुलिस ने दिनेश गोप पर 25 लाख और एनआईए ने पांच लाख का इनाम घोषित किया था।

पुलिसकर्मियों की हत्या में शामिल नक्सलियों से NIA ने की पूछताछ

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पुलिसकर्मियों की हत्या में शामिल नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के दो इनामी नक्सलियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की है। इनमें पांच लाख का इनामी संतु भुइयां और दो लाख का इनामी काजेश गंझू शामिल हैं। जेल में बंद दोनों नक्सलियों को छह दिनों की रिमांड पर लेकर एनआईए ने पूछताछ की। लातेहार पुलिस ने गत आठ मई को दो लाख के इनामी नक्सली काजेश गंझू को गिरफ्तार किया था। उसके पास से एक लोडेड देसी कट्टा व जिंदा गोली बरामद किया गया था। काजेश माओवादी एरिया कमांडर और रिजनल कमांडर रविंद्र गंझू के दस्ते का सक्रिय सदस्य है। वह जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के हेसला गांव का रहने वाला है। उस पर लातेहार, लोहरदगा व गुमला जिला के विभिन्न थानों में हत्या, आगजनी, पुलिस पर हमला करने व रंगदारी मांगने के 24 मामले दर्ज हैं। काजेश लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के लुकईया मोड़ पर चार पुलिसकर्मियों पर किये गये जानलेवा हमले में शामिल था। माओवादी कमांडर संतू भुइयां ने अपने सहयोगी राजेश ठाकुर के साथ बीते 19 अप्रैल को लातेहार जिला पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया था। संतु पांच लाख रुपये का इनामी नक्सली है।

राजधानी में गैंगवार! युवक को मारी ताबड़तोड़ छह गोलियां, मौत

CRIME REPORTER RANCHI : रांची में गैंगवार की वारदात हुई। एदलहातु में बिट्टू खान नाम के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार बिट्टू खान एदलहातु के टोंटे चौक के पास स्थित सरना स्थल के पास खड़ा था, इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने उस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। बिट्टू खान को ताबड़तोड़ छह गोलियां मारी गई। घटना के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गोलीबारी की सूचना पाकर बरियातू पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। सिटी एसपी शुभांशु जैन खुद मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

कालू लामा की हत्या के बाद निशाने पर था बिट्टू : बिट्टू खान पर कुख्यात कालू लामा की रेकी कर हत्या कराने का आरोप लगा था। उस दौरान बिट्टू खान को गिरफ्तार कर लिया गया था। छह महीना पहले ही वह जेल से बाहर आया था। बिट्टू खान कालू लामा गिरोह के निशाने पर था। मंगलवार को जैसे ही कालू लामा गिरोह के गुर्गों को मौका मिला उन्होंने बिट्टू खान के घर से कुछ ही दूरी पर उसे गोलियो से भून डाला।

मोराबादी मैदान में हुई थी कालू लामा की हत्या : गौरतलब है कि दो साल पहले रांची के मोराबादी मैदान में कालू लामा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लव कुश शर्मा गिरोह के द्वारा कालू लामा की हत्या करवाई गई थी। बिट्टू खान पर आरोप था कि उसी ने रेकी कर अपराधियों को यह बताया था कि कालू लामा मोराबादी स्थित शिबू सोरेन के आवास के पास बैठा हुआ है जिसके बाद उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

घटनास्थल पर जांच करते सिटी एसपी।

लातेहार में भाकपा माओवादियों के जोनल कमांडर चुलबुल सहित दो नक्सली गिरफ्तार

दो दर्जन से अधिक नक्सली घटनाओं में शामिल था नागेंद्र उरांव उर्फ चुलबुल

CRIME REPORTER LATEHAR : पुलिस ने भाकपा माओवादी के जोनल कमांडर नागेंद्र उरांव उर्फ चुलबुल उर्फ डॉक्टर तथा सदस्य गोदन कोरबा को गिरफ्तार कर लिया है। जोनल कमांडर नागेंद्र पलामू के पाकी का रहने वाला है। इस पर लातेहार के अलावा आसपास के जिलों में दो दर्जन से अधिक नक्सली घटनाओं का मामला दर्ज है। दस्ता सदस्य गोदन गढ़वा के भंडरिया का रहने वाला है। इस संबंध में लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा माओवादी का एक दस्ता बूढ़ा पहाड़ के इलाके में पुलिस और सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए जमा हुआ है। इस सूचना पर पुलिस की एक टीम बनाकर माओवादियों के खिलाफ छापेमारी की गई। पुलिस ने दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में जंगल में घूमता हुआ पाया। पुलिस को देखते ही दोनों व्यक्ति भागने लगे लेकिन पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेरकर धर दबोचा। पूछताछ में पता चला कि पकड़े गए लोगों में एक नागेंद्र उरांव है जो भाकपा माओवादी का जोनल कमांडर है। दूसरा दस्ता सदस्य है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार जोनल कमांडर नागेंद्र उरांव भाकपा माओवादियों के गोरिल्ला दस्ता काफी कमांडर था। आसपास के इलाके में माओवादियों के द्वारा किए गए लगभग सभी हिंसक वारदातों में नागेंद्र उरांव शामिल रहता था। वर्ष 2013 में कटिया जंगल में माओवादियों के आईईडी विस्फोट की घटना में भी शामिल था। इस घटना में 12 पुलिस के जवान बलिदान हुए थे, जबकि चार ग्रामीण मारे गए थे। घटना के बाद जवानों के शरीर में माओवादियों ने आईईडी लगा दिया था। इसके अलावा खपरीमहुआ जंगल में हुए माओवादी हमले में भी यह मुख्य रूप से शामिल था।

गिरफ्तार नक्सलियों की जानकारी देती पुलिस ● फोटोन न्यूज

अरब सागर में बन रहा दबाव, मछुआरों को समुद्र में न जाने की दी गयी सलाह

चक्रवाती तूफान 'BIPORJOY' बरपाएगा कहर! भारी बारिश को लेकर विभाग ने जारी किया अलर्ट

AGENCY NEW DELHI : मानूसन में हो रही देरी के बीच देश में चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का खतरा मंडराने लगा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि अरब सागर में बने दबाव क्षेत्र के अगले 24 घंटों में चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। इसके मद्देनजर उत्तर और दक्षिण गुजरात तटों के सभी बंदरगाहों पर डिस्टैंट कॉशनरी-1 (डीसी-1) सिग्नल सक्रिय करने के लिए कहा गया है। भारतीय मौसम विभाग ने चक्रवात की संभावना और खराब मौसम को देखते हुए मछुआरों से गहरे समुद्र में न जाने की सलाह दी है। अहमदाबाद में मौसम निदेशक मनोरमा मोहंती ने संवाददाताओं से कहा, हमने मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी उत्तर गुजरात के बंदरगाहों के लिए है। यदि मछुआरे गहरे समुद्र (उत्तर या दक्षिण गुजरात) में मछली पकड़ रहे हैं, तो उन्हें तुरंत लौट आना चाहिए।

24 घंटे में चक्रवाती तूफान आने की संभावना : आईएमडी ने एक बयान में कहा, दबाव दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के ऊपर बना है जो भारतीय समयानुसार मंगलवार की सुबह साढ़े पांच बजे गोवा से लगभग 920 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम, मुंबई से 1120 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम, पोरबंदर से 1160 किलोमीटर दक्षिण और कराची से 1520 किमी दक्षिण में केंद्रित था। इसने कहा कि अगले 24 घंटों में पूर्वी-मध्य अरब सागर और इससे सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के ऊपर इसके लगभग उत्तर की ओर बढ़ने तथा चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है।

आईएमडी ने भारी बारिश की जतायी संभावना

मौसम विभाग ने अभी यह पूवार्नुमान व्यक्त नहीं किया है कि चक्रवाती तूफान गुजरात तट से टकराएगा। इस चक्रवात के गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि हालांकि, इससे तटीय क्षेत्रों में बारिश हो सकती है और तेज हवाएं चल सकती हैं।

अरब सागर में उठता चक्रवाती तूफान ● एजेंसी

दिल्ली एम्स पर साइबर अटैक HACKERS के मंसूबे विफल

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली के एम्स अस्पताल में एक बार फिर से साइबर अटैक का मामला सामने आया है। इसकी जानकारी खुद अखिल भारतीय संस्थान की तरफ से ट्वीट करके दी गई है। उन्होंने कहा कि एम्स, नई दिल्ली में साइबर सिक्योरिटी सिस्टम की तरफ से मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे एक मैलवेयर अटैक का पता चला। हालांकि, साइबर अटैक की इस कोशिश को पूरी तरह से विफल कर दिया। यह पहली बार नहीं है जब ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस पर हैकर्स ने साइबर अटैक किया हो। इससे पहले भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। साल 2022 के नवंबर महीने में भी अस्पताल पर रैंडसमवेयर अटैक नाम का एक साइबर हमला हुआ था। इसके कारण कई दिनों तक मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई सर्वर बाधित हो गए थे।

साइबर अटैक से हुआ था काफी नुकसान

पिछले साल हुए साइबर अटैक की वजह से अस्पताल के डेली कामकाज जैसे नियुक्ति, मरीजों के रजिस्ट्रेशन, डिस्चार्ज स्लिप आदि की जानकारी पर काफी असर पड़ा है। मामला इतना बड़ा था कि दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय के प्रतिनिधि जांच में जुट गए थे। बताया गया था कि हांगकांग की दो ई-मेल आईडी से एम्स के सर्वर पर साइबर अटैक हुआ था। हमले में चीन की भूमिका सामने आई थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन स्ट्रैटिक ऑपरेशंस ने इसका खुलासा किया था।

राज्यपाल ने ग्रामीणों के साथ किया संवाद

PHOTON NEWS LOHARDAGA : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन मंगलवार को लोहरदगा पहुंचे। बॉर्डर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उन्होंने लोहरदगा प्रखंड के भक्सो एवं रामपुर गांव में पहुंचकर वहां चल रही विकास योजनाओं का अवलोकन किया। साथ ही ग्रामीणों के साथ संवाद भी किया।

राज्यपाल ने ग्रामीणों से कहा कि गांव का विकास होगा तभी आप का विकास संभव है। सभी लोग मिलकर अपने गांव का विकास करें। इसमें किसी भी तरह की जरूरत हुई तो मैं हमेशा आपके लिए तत्पर हूं। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें इलाके में सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई की सुविधा जैसी समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही कहा कि इनका समाधान लंबे अरसे से नहीं हुआ है।

राज्यपाल ने समस्याओं के निदान के लिए वहां मौजूद जिले

कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन। ● द फोटोन न्यूज

के उपायुक्त डॉ प्रसाद कृष्ण वाघमारे से चर्चा की और उन्हें निर्देश दिया कि जो भी समस्याएं हैं उनके समाधान के लिए गांव में कैंप लगाएं। भक्सो गांव में पौधरोपण कार्यक्रम को देखकर राज्यपाल काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि सरकार की बहुत सारी योजनाएं हैं। आप सबों को इन योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए।

राज्यपाल ने महिलाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दें। क्योंकि, शिक्षा से बढ़कर कोई भी धन नहीं है। इस मौके पर परिसदन भवन में राज्यपाल से लोहरदगा जिला के प्रबुद्ध लोगों ने भी मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल सड़क मार्ग से लोहरदगा आए थे और सड़क मार्ग से ही लौट गए।

राज्यपाल के दो दिवसीय पलामू दौरे के मद्देनजर अधिकारियों ने तैयारियों का लिया जायजा

PHOTON NEWS PALAMU : झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन आठ और नौ जून को पलामू में रहेंगे। मेदिनीनगर सदर प्रखंड के लहलहे पंचायत सचिवालय और रामगढ़ प्रखंड के नावाडीह पंचायत सचिवालय के कार्यक्रम में वे हिस्सा लेंगे। राज्यपाल दोनों कार्यक्रम में अलग-अलग दिन भाग लेंगे।

राज्यपाल के दो दिवसीय पलामू दौरे के मद्देनजर प्रशासनिक महकमा तैयारी में जुट गया है। उपायुक्त ए दोड्डे, पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा, डीडीसी रवि आनन्द, एसडीपीओ सुरजीत कुमार एवं नजारत उप समाहर्ता शैलेश

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक कार्यक्रम स्थल का जायजा लेते। ● द फोटोन न्यूज

कुमार ने दोनों जगहों पर चल रही तैयारियों का जायजा लिया और अधीनस्थ कर्मियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया।

बताया गया है कि सबसे पहले आठ जून को राज्यपाल लहलहे पंचायत सचिवालय के कार्यक्रम में भाग लेंगे। यहां वे लाभुकों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। साथ ही धनबाद में रेलवे के खंभे लगाने के दौरान करंट लगने से झुलस कर जान गंवाने वाले मृत दो मजदूर भाइयों के परिजनों को आर्थिक सहायता देंगे। इसी तरह रामगढ़ प्रखंड के नावाडीह में भी लाभुकों से बातचीत करेंगे। इस दौरान राज्यपाल गढ़वा का भी दौरा करेंगे।

BRIEF NEWS

गोदाम से 18 हजार क्विंटल अनाज गायब है : आजसू

GIRIDIH : एफसीआई गोदाम जमुआ में व्याप्त अनियमितता के खिलाफ आजसू प्रखंड कमिटी ने 06 जून को धरना दिया। इसके पूर्व कार्यकताओं ने जमुआ बाजार में पैदल मार्च निकाला। धरना में कार्यकारी जिलाध्यक्ष शंकर यादव ने कहा कि फरवरी 2023 तक एफसीआई गोदाम में 18 हजार क्विंटल अनाज बैकलॉग दिखाया जा रहा है। यह अनाज कहां गायब हुआ, इसकी जांच कर दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई होनी चाहिए। जून माह का अनाज उठाव कर लिया गया है पर अप्रैल का अनाज नहीं बांटा गया है। उन्होंने जमुआ के एमओ व एजीएम की कार्यशैली पर नाराजगी जतायी। धरना के दौरान डीसी के नाम एक ज्ञापन बीडीओ को सपा सौंपा। कार्यक्रम में शंकर यादव, गौतम सागर राणा, अजय कुमार द्विवेदी, मो जावेद, खुशी दास, सुजीत सिंह, चमक गोस्वामी आदि मौजूद थे।

योगी कैबिनेट की बैठक में 23 प्रस्तावों पर लगी मुहर, 6 प्राइवेट यूनिवर्सिटी बनाने की मंजूरी

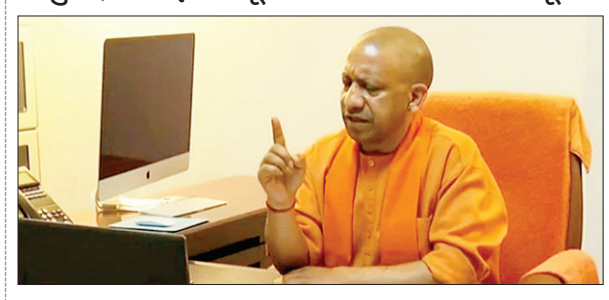

LUCKNOW : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक हुई। सीएम योगी कैबिनेट की बैठक में तबादला नीति 2023-24 समेत 23 प्रस्तावों पर मुहर लगी। तबादला नीति 2023-24 के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों के तबादले 30 जून तक किए जा सकेंगे। राज्य सरकार ने डक्ट नीति को मंजूरी दी है। इसके तहत सड़कों के किनारे जमीन के नीचे पेयजल और सीवर की पाइपलाइन बिछाने, टेलीफोन के तार, ऑप्टिकल फाइबर केबल डालने के लिए अब डक्ट का प्रावधान करना जरूरी होगा।

23 प्रस्ताव को मिली मंजूरी : बैठक में कुछ निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए लेटर ऑफ इंटेंट जारी करने के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है। बैठक में परिवहन, गृह प्राविधिक शिक्षा आदि विभागों के प्रस्तावों को मंजूरी मिली है। इसके साथ ही बस स्टेशन पीपीपी मोड पर चलेंगे। वहीं 6 प्राइवेट यूनिवर्सिटी बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गयी है।

कैबिनेट मीटिंग में इन प्रस्तावों को मिली स्वीकृति : अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु के पूर्व असामयिक निधन की स्थिति में उनके परिजनों को ग्रेच्युटी के भुगतान के संबंध में प्रस्ताव पर सहमति दी गई।

- भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार खरीफ 2023 से रबी 2025-26 तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को प्रदेश में लागू किए जाने के संबंध में सहमति दी गई है।
- उत्तर प्रदेश रक्षा तथा एयरोस्पेस इकाई एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2018 और उत्तर प्रदेश रक्षा तथा एयरोस्पेस इकाई एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति- 2019 में संशोधन के संबंध में सहमति दी गई है
- केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, खरीफ 2023 से रबी 2025-26 तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को प्रदेश में लागू किए जाने के संबंध में सहमति प्रदान की गई।
- उत्तर प्रदेश में 6 निजी विश्वविद्यालय बनाने को मंजूरी दी गई।
- UPSRTC के 23 बस स्टेशनों को हाईटेक किया जाएगा
- PPP मॉडल पर बस स्टेशनों को हाईटेक किया जाएगा
- कैबिनेट बैठक में इसके अलावा पर्यटन, परिवहन, गृह, प्राविधिक शिक्षा आदि विभागों के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

लोग घायल हैं और रिश्तेदारों को आयोजन में बुला रहीं, ममता पर 'निर्ममता' के आरोप

KOLKATA : पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बड़ा हमला बोला है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बालासोर ट्रेन हादसे में मारे गए लोगों के रिश्तेदारों के साथ सियासत की जा रही है। भाजपा नेता के मुताबिक इन लोगों को कोलकाता आने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जहां ममता बनर्जी भाषण के बाद राहत राशि का चेक बांटेंगी। गौरतलब है कि ओडिशा के बालासोर में हुए हादसे में पश्चिम बंगाल के कई लोगों की जान गई है, वहीं कई लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन सभी के लिए आर्थिक मदद मुहैया कराने की घोषणा की थी।

बताया शर्मनाक कदम : शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बालासोर हादसे में कई लोग मारे गए हैं। कइयों के परिजन घायल हुए हैं। शुभेंदु ने कहा कि इन परिजनों को कल नेताजी इंडोर स्टेडियम आने के लिए बाध्य किया जा रहा है। यहां पर ममता बनर्जी पहले भाषण देंगी और उसके बाद परिजनों को राहत राशि का चेक बांटा जाएगा। विपक्ष के नेता ने कहा कि यह बहुत शर्मनाक है कि इन लोगों को कोलकाता आने के लिए बाध्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह लोग अभी तक अपने दुख से उबर तक नहीं सके हैं। इसके बावजूद ऐसा किया जा रहा है।

घायलों से मिलने पहुंची थी ममता : इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को, दुर्घटनाग्रस्त कोरोमंडल एक्सप्रेस के घायल यात्रियों से मिलने पहुंची। इन सभी का फिलहाल कटक के विभिन्न अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। बनर्जी एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के नेत्र एवं सर्जरी विभाग पहुंचीं और घायलों से मुलाकात करके उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि हम घायल यात्रियों की हरसंभव तरीके से मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। घायल यात्रियों की देखभाल के लिए दो जून की दुर्घटना वाली रात ही डॉक्टरों, नर्सों और अधिकारियों की टीम भेज चुके हैं।

गौरतलब है कि बालासोर जिले के बाहानगा बाजार स्टेशन के पास शुक्रवार शाम करीब सात बजे तीन ट्रेनें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। देश के सबसे भीषण रेल हादसों में से एक इस दुर्घटना में 278 लोगों की मौत हो गई और 1100 से अधिक घायल हो गए। विशेषज्ञों ने कहा है कि दोनों यात्री ट्रेन तेज रफ्तार में थीं, इस कारण से भी दुर्घटना में इतने ज्यादा लोग हताहत हुए।

दीपक जोशी के बाद कई बड़े भाजपा नेता कांग्रेस में आने वाले हैं : जयवर्धन सिंह

INDORE : कांग्रेस नेता जयवर्धन सिंह ने कहा कि भाजपा तीन हिस्सों में बंट गई है। पहली शिवराज भाजपा, दूसरी महाराज भाजपा और तीसरी नाराज भाजपा। जयवर्धन सिंह कांग्रेस की सरकार में पूर्व नगरीय विकास एवं आवास मंत्री रह चुके हैं। वे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के बेटे हैं और चुनाव के चलते इंदौर-उज्जैन की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। वे रविवार देर रात इंदौर में थे। उनके इस बयान पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस तो कबीलों और दरबारियों में बंटी हुई पार्टी है। जयवर्धन ने आगे कहा कि दीपक जोशी के बाद कई बड़े भाजपा नेता हमारे साथ आने वाले हैं। उनके कांग्रेस में आने से केवल देवास जिले में ही नहीं पूरे मालवा में एक संदेश गया है। उनकी अपने समाज में ही नहीं मतदाताओं के बीच भी अलग पहचान है। भाजपा के कई नेता कांग्रेस के संपर्क में हैं।

अंधों में काना राजा, उनको लगता है सब जानते हैं : Prashant Kishor

PHOTON NEWS SAMSTIPUR : राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विपक्षी एकता की पहल पर जमकर बरसे। इस दौरान, उन्होंने नीतीश को अंधों में काना राजा करार दे दिया।

समस्तीपुर में एक कार्यक्रम के दौरान प्रशांत किशोर ने पटना में प्रस्तावित विपक्षी एकता की बैठक पर निशाना साधा। कहा कि नीतीश कुमार की हालत अंधों में काना राजा जैसी है। नीतीश कुमार बिहार के एकमात्र पढ़े-लिखे व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन उनको यह भ्रम हो गया है कि वे ही सब जानते हैं, उन्हें ही सब मालूम है। इसलिए नीतीश ने अपने इर्द गिर्द जितने बेवकूफ हैं, सबको बैठा लिया है।

नीतीश पर हमला बोलते हुए पीके ने बिना नाम लिए ही लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार पर भी तंज कसा। पीके ने कहा कि बिहार में एक

नेता हैं, उनको नाम लिखना नहीं आता है और नीतीश को नाम लिखना आता है तो लोगों को लगता है कि वे बहुत बड़े विद्वान हैं। यहां एक ऐसे नेता हैं, जो शर्ट पर गंजी पहनते हैं और नीतीश कुमार गंजी पर शर्ट पहनते हैं तो लोगों को लगता है कि नीतीश बड़े ही समझदार हैं।

पढ़े-लिखे लोगों से ली जाए मदद : प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार पढ़े-लिखे हो सकते हैं, लेकिन बिहार के एकमात्र पढ़े-लिखे नहीं। उन्होंने कहा कि उनसे ज्यादा पढ़े-लिखे और समझदार हजारों की संख्या में लोग हैं। बस जरूरत इस बात की है कि जो लोग राज चला रहे हैं, उन्हें बिहार के और बिहार के बाहर के पढ़े-लिखे और समझदार लोगों की मदद लेनी चाहिए।

नीतीश की विपक्षी एकता की पहल पर निशाना साधते हुए कहा कि आप देश में सबसे गरीब हैं, लेकिन अंहकार राजा महाराजाओं जैसा है। आप देश में सबसे फिसड्डी हैं, लेकिन घमंड ऐसा जैसे कि आप सबसे आगे हों।

राजद का लोकसभा में एक भी सांसद नहीं है, लेकिन बात प्रधानमंत्री से नीचे की नहीं करते हैं। नीतीश कुमार की बात करें तो वे देश में सबसे गरीब, सबसे फिसड्डी हैं, लेकिन बात ऐसे करते हैं, जैसे आपने बिहार को अमेरिका बना दिया हो।

विकास विरोधी हेमंत सरकार में वित्त आयोग निष्क्रिय : Deepak Prakash

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने मंगलवार को राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास विरोधी सरकार है। मुख्यमंत्री सहित सत्ताधारी दल के मंत्रियों को केवल अपने पद और परिवार की चिंता है लेकिन राज्य के लोग मजबूत हों, गांव और गरीब की हालात में सुधार हो, इसकी चिंता नहीं है।

दीपक ने कहा कि राज्य सरकार गठबंधन के नेताओं को खुश करने के लिए बोर्ड निगम का गठन कर रही है लेकिन राज्य के महत्वपूर्ण संवैधानिक आयोग का गठन नही कर रही। राज्य के महिला आयोग, वित्त आयोग, लोकायुक्त, सूचना आयुक्त जैसे पद वर्षों से रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि वित्त आयोग के महत्वपूर्ण पद रिक्त रहने के कारण केंद्रीय

अनुदान नही मिलने की आशंका बनी हुई है। साथ ही कहा कि केंद्र सरकार वित्त आयोग की अनुशंसाओं के आलोक में राज्य वित्त आयोग को पैसा आवंटित करती है। फिर ये पैसे पंचायती राज संस्थाओं, नगर पालिकाओं को आवंटित होते हैं।

उन्होंने कहा कि आज राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष विहीन, कर्मचारी विहीन हैं, जिसके कारण अगले दो वित्तीय वर्षों में राज्य की पंचायती राज संस्थाओं को केंद्र सरकार से अनुदान के रूप में मिलने वाली 2736 करोड़ के अनुदान पर राज्य सरकार की अकर्मण्यता से ग्रहण लगने की संभावना है। इसमें टाइड और अनटाइड दोनों फंड समाहित हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार की मंशा नगर निकाय चुनाव को टालने की है। इसीलिए ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया को राज्य सरकार ने प्रारंभ नहीं कराया है।

10 जून को होगी झारखंड समन्वय समिति की बैठक

गुरुजी करेंगे अध्यक्षता

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य समन्वय समिति की पहली बैठक 10 जून को होगी। यह बैठक समिति के अध्यक्ष शिबू सोरेन की अध्यक्षता में सुबह 11 बजे से मोरहाबादी स्थित शिबू सोरेन के आवास पर होगी। इसे लेकर मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग ने जारी कर दिया है। बता दें कि झारखंड सरकार को सुचारू रूप से संचालित करने और सहयोगी दलों में आपसी तालमेल बनाए रखने को लेकर 17 नवंबर 2022 को गठित किया गया था। गठन के सात महीने बाद यह पहली बैठक होने जा रही है।

समिति के सदस्यों को प्राप्त है मंत्री का दर्जा : झारखंड राज्य समन्वय समिति के सभी सदस्यों को मंत्रियों को मिलने वाली सभी सुविधाओं के साथ मंत्री का दर्जा दिया गया है। हालांकि समिति के अध्यक्ष शिबू सोरेन, विधायक सरफराज अहमद, मंत्री आलमगीर आलम, सत्यानंद भोक्ता और बंधु तिर्की को मंत्री का दर्जा नहीं दिया गया है। जिन्हें मंत्री का सुविधा मिली हुई है। उनमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, जेएमएम नेता फागू बेसरा, विनोद कुमार पांडेय और योगेंद्र महतो शामिल हैं। झारखंड राज्य समन्वय समिति का कार्यकाल 3 वर्ष का है। ये समिति समय-समय पर राज्य सरकार को परामर्शित करेगी। समिति के अध्यक्ष शिबू सोरेन के आवास में ही समिति का कार्यालय बनाया गया है। समिति की बैठकें प्रत्येक माह में आयोजित किए जाने की बातें कही गयी थी। समिति को कैबिनेट विभाग की ओर से आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है।

बाढ़-सुखाड़ के लिए 50 करोड़ स्वीकृत, 10 एजेंडों पर लगी मुहर

बिहार राज्य में कास्ट आधारित उद्योगों की संख्या के पुनर्निर्माण के लिए स्वीकृति मिली है

PHOTON NEWS PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार दोपहर संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में संभावित बाढ़-सुखाड़ की स्थिति से निपटने के लिए 50 करोड़ रुपये की स्वीकृति सहित कुल 10 एजेंडों पर मुहर लगाई है। कैबिनेट की बैठक में कृषि, सामान्य प्रशासन, पथ निर्माण, भू एवं राजस्व समेत कई अन्य विभागों के एजेंडों पर मोहर लगी है।

कैबिनेट सचिव एस सिद्धार्थ ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि बाढ़ और सूखे जैसी स्थिति से निपटने के लिए कुल 50 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। पटना हाई कोर्ट में स्टाफ कार चालक के 27, जमादार के 77, स्टेनोग्राफर एक पद का सृजन किया गया है। इसके अलावा हाई कोर्ट की स्थापना में अनुवादक संवर्ग में संयुक्त निबंधक के एक पद और उप निबंधक के एक पद के सृजन की भी कैबिनेट

मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते कैबिनेट सचिव एस सिद्धार्थ। ● द फोटोन न्यूज

से स्वीकृति मिल गई है।

सिद्धार्थ ने बताया कि हाई कोर्ट की स्थापना में जमादार के वर्तमान 77 पदों को वेतन स्तर दो में उत्क्रमित करने की स्वीकृति मिली है। साथ ही बिहार विधान सभा के अष्टम-सत्र तथा बिहार विधान परिषद के 203वें सत्र (बजट सत्र) के सत्रावसान संलेख पर स्वीकृति दी गई है। बिहार पुलिस के अन्तर्गत गठित स्पेशल ऑक्जिलरी पुलिस (सैप) में बहाल किए गए भारतीय सेना के सेवानिवृत्त सैनिकों के कार्यरत कुल बल 3,566 की अनुबंध अवधि वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए विस्तारित करने की स्वीकृति दी गई है।

इसके अलावा ऑडिट ऑफिस में 06 पदों का सृजन करने की स्वीकृति दी गई है। इसमें बिहार वित्तीय प्रशासन सेवा का संयुक्त निदेशक (वेतन स्तर-13) के दो पद एवं उप निदेशक (वेतन स्तर-12) के चार पदों यानी कुल 06 पदों की स्वीकृति दी गई है। खरीफ फसल करने वाले किसानों के लिए राहत की खबर है। अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे जैसी स्थिति में आकस्मिक फसल योजना के अंतर्गत बीज वितरण के लिए 50 करोड़ की राशि को मंजूरी मिल गई है। बिहार राज्य में कास्ट आधारित उद्योगों की संख्या का पुनर्निर्माण के लिए स्वीकृति मिली है।

राज्य में कार्यरत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक और उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के पूंजीकरण के लिए वर्ष 2022-23 के बकाए राशि 84.87 करोड़ रुपये का बिहार आकस्मिकता निधि से अग्रिम स्वरूप उप बंद किए जाने एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में एकमुश्त भुगतान की स्वीकृति मिली है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले की कैबिनेट बैठक में 24 एजेंडे पर मुहर लगी थी। शराबबंदी कानून में एक बार फिर से संशोधन पर फैसला किया गया था। इसके साथ एएनएम की बहाली परीक्षा के माध्यम से करने का बड़ा फैसला भी लिया गया था और मद्य निषेध के साथ कारा विभाग में 1400 से अधिक पदों पर बहाली करने का बड़ा फैसला लिया गया था।

मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने शीघ्र ही प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया है

जेल में बंद टाना भगत मामले में बंधु मिले मुख्य सचिव से, कई मुद्दों पर की बात

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की मंगलवार को मुख्य सचिव सुखदेव सिंह से मिले। तिर्की ने कहा कि मुख्य सचिव सुखदेव सिंह से हुई उनकी मुलाकात में कई अहम मुद्दों पर सकारात्मक बातचीत हुई। मुख्य सचिव ने उन्हें शीघ्र ही प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। तिर्की ने बताया कि लातेहार में टाना भगतों द्वारा वहां के कचहरी परिसर में जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के लिए किए जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन पर कार्रवाई करते हुए लगभग 200 लोगों को नामजद और 300 अज्ञात लोगों पर गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस संदर्भ में मुख्य सचिव सिंह का ध्यान आकृष्ट कराये जाने पर उन्होंने यह आश्वासन दिया कि लातेहार के उपायुक्त से प्रतिवेदन मंगवाने के बाद इस मामले पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

चीक बड़ाईक को जाति प्रमाण पत्र नहीं मिल रहा : तिर्की ने कहा कि झारखंड में विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में रहनेवाले अनुसूचित जनजाति चीक बड़ाईक लोगों में अधिकांश के खेवट और खतियान में विभिन्न तरीके से जाति दर्ज होने के कारण उनके वंशजों को अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र मिलने में कठिनाई हो रही है। इस मामले पर भी मुख्य सचिव ने आश्वासन दिया कि इस

मामले में अपेक्षित कदम उठाए जाएंगे।

मुड़मा दोहर सिंचाई और मॉडल स्कूल निर्माण का मुद्दा उठाया : तिर्की ने कहा कि मुख्य सचिव ने इस बात पर भी अपनी सहमति दी की है कि मांडर के मुड़मा दोहर में सिंचाई की समुचित व्यवस्था की जाए जिससे सैकड़ों एकड़ भूमि सिंचित हो और इसका फायदा हजारों किसानों को मिले। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव से अपनी वार्ता के दौरान उन्होंने 2013 में शुरू हुए बेड़ो मॉडल स्कूल के निर्माण कार्य की ओर भी उनका ध्यान आकृष्ट किया। उन्हें जानकारी दी कि संवेदक और विभागीय लापरवाही के कारण भवन का निर्माण कार्य अबतक पूरा नहीं हुआ है। इसके अलावा मांडर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मांडर, सोपारोम और चान्हो को सरकार के आदर्श विद्यालयों की सूची में तो शामिल कर लिया गया है लेकिन अबतक वहां न तो बिजली की आपूर्ति हुई है और ना ही पहुंच पथ का ही निर्माण किया गया है। इसके अलावे भवन का स्थानांतरण भी अबतक नहीं होने से विद्यार्थियों का पठन-पाठन बाधित हो रहा है।

कोयल नदी पर वृहद पैमाने पर बने डैम : तिर्की ने कहा कि मांडर प्रखंड के कैम्बो गांव में कोयल नदी में भूमि संरक्षण विभाग द्वारा चेक डैम का निर्माण कराया गया था। जिसमें तकनीकी दृष्टिकोण से अनेक खामियां थीं और अत्यधिक वर्षा के कारण चेक डैम का गार्डवाल टूटने से नदी की धारा बदल गई परिणामस्वरुप अनेक एकड़ भूमि नदी में समाहित हो गए। तिर्की ने मुख्य सचिव से आग्रह किया कि इस नदी पर जल संसाधन विभाग के द्वारा वृहद पैमाने पर डैम का निर्माण कराया जाए। तबतक किसी वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से किसानों के खेतों में कटाव को रोका जाए।

मांडर विस में कई योजनाएं अधूरी : तिर्की ने कहा कि मांडर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अनेक योजनाएं अधूरी हैं और केवल विभागीय लापरवाही के कारण उसका फायदा आम लोगों को नहीं मिल पा रहा है। इस संदर्भ में उन्होंने लापुंग प्रखंड कार्यालय परिसर में एक एकड़ भूमि पर जेरेडा द्वारा सोलर पावर प्लांट लगाये जाने की चर्चा करते हुए कहा कि इससे पूरे प्रखंड को बिजली में आत्मनिर्भर बनाया जा सकता था परंतु यह परियोजना भी विभागीय लापरवाही के कारण अधूरी पड़ी है पर भेंट के दौरान मुख्य सचिव ने इसे 15 जुलाई तक शुरू करने का आश्वासन दिया है।

BRIEF NEWS

एसएसपी ने किया 192 वाहन चालकों का तबादला

RANCHI : रांची के एसएसपी किशोर कौशल ने लंबे समय से एक ही थाना में पदस्थापित 192 वाहन चालकों का तबादला किया है। सभी चालकों को जल्द से जल्द प्रतिनियुक्त स्थान पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। वाहन चालक लंबे समय से थाना के वाहन, पीसीआर और इंटरसेप्टर वाहन में कार्यरत थे। सभी चालकों की प्रतिनियुक्ति रांची जिले में ही एक थाने से दूसरे थाने में की गई है। इस संबंध में मंगलवार को एसएसपी ने आदेश जारी कर दिया है।

बाइक सवार अपराधियों ने रिटायर आर्मी जवान से मोबाइल और पर्स छीनी

RANCHI : नामकुम थाना क्षेत्र के आर्मी हॉस्पिटल के पास एक रिटायर आर्मी जवान से मोबाइल और पर्स की छिनतई होने का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। बाइक पर आये दो अपराधी रिटायर आर्मी के जवान विश्वजीत प्रसाद से मोबाइल और पर्स की छिनतई कर फरार हो गये। विश्वजीत प्रसाद अपनी पत्नी के साथ आर्मी अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो अपराधी पहुंचे और घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बुंडू में सीओ ने अवैध बालू ढुलाई कर रहे दो टर्बो गाड़ी को पकड़ा

RANCHI : बुंडू अनुमंडल के बुंडू थाना क्षेत्र के बुढ़ाडीह नदी पर आज अंचलाधिकारी बुंडू राजेश कुमार डूंगडूंग ने दो टर्बो जेएच01बीसी0368 तथा जेएच01एए8028 को बालू की अवैध ढुलाई करते हुए पकड़ा है। उन्होंने बताया कि बुढ़ाडीह पुल के समीप बालू निकाला कर बालू ढोकर ले जाने की खबर मिली थी जिसके आलोक में यह कार्रवाई की गयी है। उन्होंने कहा कि अवैध बालू भंडारण पर भी कार्रवाई की जा रही है। इस मौके पर अंचल निरीक्षक कप्तान सिंकु, थाना प्रभारी पंकज भूषण सहित अन्य मौजूद थे।

53 दिनों से निदेशक प्राथमिक शिक्षा का पद खाली, काम ठप

RANCHI : अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ झारखंड प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने बताया कि पिछले 53 दिनों से निदेशक प्राथमिक शिक्षा का पद खाली है और सारा कार्य ठप है। प्रारंभिक शिक्षकों का कार्य अवरुद्ध हो रहा है। बता दें कि जबसे चंद्रशेखर निदेशक प्राथमिक शिक्षा झारखंड सरकार का 12 अप्रैल से दूसरे विभाग में स्थानांतरण हुआ है तबसे किसी दूसरे का स्थाई निदेशक प्राथमिक शिक्षा का पदस्थापन नहीं हुआ है। न किसी को कार्यभार के आदेश दिया गया है। जिस कारण प्राथमिक और मध्य विद्यालय के शिक्षकों की समस्याओं के साथ अन्य कार्यों का निष्पादन नहीं हो पा रहा है। शिक्षकों के कार्य की लंबी लाइन लगी हैं। शिक्षकों का वेतन आवंटन आदेश, मेडिकल प्रतिपूर्ति भत्ता रीइंबर्समेंट, सेवा सत्यापन, शिक्षकों की प्रोन्नति, न्यायालयों में लंबित मामले का निपटारा, अंतर जिला स्थानांतरण आदि कार्यों में बाधा उत्पन्न हो गया है। सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग जबसे निदेशक प्राथमिक शिक्षा का स्थानांतरण हो गया है तबसे ही संचिकाओं का निष्पादन कर रहे हैं लेकिन कार्य अधिक होने की वजह से ससमय संचिकाओं का निष्पादन सचिव स्तर पर भी नहीं हो पा रहा है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

LALPUR में सब्जी विक्रेताओं का हंगामा, RMC टीम से नोकझोंक

कोकर-लालपुर मार्ग को किया जाम, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

PHOTON NEWS RANCHI : लालपुर स्थित डिस्टलरी पुल से कोकर के बीच सब्जी विक्रेताओं के खिलाफ मंगलवार को अतिक्रमण अभियान चलाया गया। इसके विरोध में कुछ देर के लिए बड़ी संख्या में सब्जी विक्रेताओं ने सड़क पर बैठ कर कोकर-लालपुर मार्ग को जाम कर दिए। लेकिन फिर निगम के अधिकारियों और पुलिस ने सड़क जाम तुरंत हटवाया। मौके पर टाउन वेंडिंग कमिटी (टीवीसी) मेंबर शर्मिला नेवार ने कहा कि जब तक दुकान बनाकर स्थाई रूप से सब्जी विक्रेताओं को नहीं दिया जाएगा। तब तक हम लोग दूसरे जगह सब्जी लगाने नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि निगम के कर्मियों से हमने आदेश की कॉपी मांगी तो आदेश की कॉपी भी नहीं दिखाया गया।

सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि इस रोड पर करीब 400- 450 परिवार अलग-अलग सब्जी की दुकान लगाते हैं। सब्जी विक्रेताओं का कहना था कि जिस तरह से मछली, मीट और अंडा बेचने वालों के लिए अलग से मार्केट बनाकर इलाके को अतिक्रमण मुक्त कराया गया, वही सुविधा सब्जी विक्रेताओं को भी मिलनी चाहिए। सब्जी मार्केट तैयार करने के बाद ही उन्हें हटाना चाहिए।

नगर निगम की विजिलेंस टीम मंगलवार को लालपुर पहुंची और सब्जियों को जब्त करना शुरू किया। 407 ट्रक में सब्जी विक्रेताओं की सब्जी को जबरन जब्त किया गया। सब्जी विक्रेता संघ की पुतुल देवी ने बताया कि गरीबों पर अत्याचार किया जा रहा है। बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए सब्जी विक्रेताओं को हटाना अन्याय है। इस दौरान प्रशासन और सरकार के खिलाफ सब्जी विक्रेताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस संबंध में रांची नगर निगम के अपर प्रशासक कुमार सिंह पाहन ने कहा कि शहरी यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए लालपुर सब्जी मंडी के दुकानदारों को शिफ्ट किया जा रहा है। सब्जी विक्रेता नगर निगम के अधिकारियों का सहयोग करें ताकि शहर को जाम मुक्त बनाया जा सके। वहीं दूसरी ओर नगर निगम की विजिलेंस टीम अतिक्रमण मुक्त कर आगे बढ़ी। इसमें कुछ दुकानदार चुन्ना भट्टा के सड़क के किनारे सब्जी की दुकान लगा कर बैठ गए। आपकों बता दें कि बता दें कि 9 जून को शहीद दिवस के मौके पर डिस्टलरी पुल स्थित बिरसा स्थल पर राज्य मंत्री, नेता व अधिकारी बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने आते हैं। उस दौरान सड़क पर दुकान लगे होने की वजह से वहां कुड़े का ढेर लगा होता था और कुड़े के ढेर से बदबु आती थी। इसके अलावा सड़क पर बाजार लगने से सड़क जाम भी लगता था। इन्ही सबको देखते हुए मार्केट बनते ही पहले मांस-मछली की दुकानों को शिफ्ट कराया गया। इसके बाद अब सब्जी विक्रेताओं को शिफ्ट कराया जा रहा है।

कोकर-लालपुर सड़क जाम कर हंगामा करते सब्जी विक्रेता ● फोटोन न्यूज

अतिक्रमण हटाते रांची नगर निगम के विजिलेंस टीम ● फोटोन न्यूज

स्मृति कप : एसएसपी ने किया ट्रॉफी का अनावरण

मेकॉन स्टेडियम में आज से खेले जाएंगे मैच

ट्रॉफी का अनावरण करते रांची एसएसपी किशोर कौशल ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मेकॉन स्टेडियम में आज बुधवार से स्मृति कप टी 20 क्रिकेट टूनार्मेंट शुरू होगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री सुबोधकांत सहाय और विशिष्ट अतिथि पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेंद्र खन्ना उपस्थित रहेंगे। आयोजन समिति द्वारा सभी टीमों को रंगीन ड्रेस दी जाएगी। स्मृति कप टूनार्मेंट 88 साल पुराने राज्य क्रिकेट संघ की सेवा करनेवाले वैसे पूर्व क्रिकेट प्रशासकों और प्रथम श्रेणी के क्रिकेट खिलाड़ियों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया जाता है, जिनका निधन हो चुका है।

रांची एसएसपी किशोर कौशल ने ड्रेस का वितरण किया

मंगलवार को रांची एसएसपी किशोर कौशल ने स्मृति कप टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता में खेलने वाले स्पंदन क्लब कोलकाता, झारखंड के जमशेदपुर की जांबाज, रांची रॉयल और बिहार की एमपी वर्मा 11 की चार टीमों के खिलाड़ियों और प्रशासकों के समक्ष ट्रॉफी का अनावरण करते हुए ड्रेस का वितरण किया और अपनी शुभकामनाएं दी। कप्तान कोच को प्रतियोगिता में उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के संयोजक रांची जिला क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव तथा जेएससीए के आजीवन सदस्य सुनील कुमार सिंह सहित पूर्व क्रिकेटर उज्जवल दास, आदित्य वर्मा, संजय मिश्रा, उदय शर्मा, गोपाल मंडल सहित अनेक पूर्व एवं वर्तमान बिहार झारखंड के क्रिकेटर मौजूद थे।

PM आवास योजना : आठ लाख लाभुकों के लिए आवास स्वीकृत करने का केंद्र से किया आग्रह

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से वंचित आठ लाख लाभुकों के लिए आवास स्वीकृत करने का आग्रह केंद्र सरकार से किया है। ग्रामीण विकास विभाग ने करीब दो साल पहले ही 10 लाख लाभुकों की सूची तैयार करके केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के समक्ष स्वीकृति के लिए भेजा था, लेकिन उस वक्त आवास योजना की समीक्षा के बाद भारत सरकार ने दो लाख लाभुकों के नाम ऑनलाइन ही काट कर हटा दिए थे। ऐसे आवेदन को अयोग्य बताया था। इसके बाद नये सिरे से राज्य सरकार ने सभी जिलों से रिपोर्ट तैयार करवाया जिसके बाद आठ लाख योग्य लाभुकों का नाम चयन कर आवास देने की अनुशंसा भारत सरकार से की गयी, हालांकि, अभी तक इन लाभुकों के लिए आवास स्वीकृत नहीं हो पाया है। बता दें कि, झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से बड़ी संख्या में आवास योजना लंबित है। जिस वक्त यह अनुशंसा भारत को भेजी गयी थी उस वक्त दो लाख से अधिक आवास पेंडिंग थे। यही वजह थी कि केंद्र ने यह कहा कि पहले लंबित आवास पूरा करें। वित्तीय वर्ष 2022-23 में झारखंड को एक भी आवास की स्वीकृति नहीं दी गयी। पूरे साल राज्य सरकार ने लंबित आवास को पूरा करने पर जोर दिया। वर्तमान स्थिति यह है कि अभी एक लाख से अधिक आवास का निर्माण पेंडिंग हैं। ऐसे में इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में भी नयी आवास योजना स्वीकृत नहीं हो पायी है। इधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भारत सरकार व नीति आयोग से आग्रह किया है कि छूटे हुए लाभुकों के लिए अविलंब आवास योजना स्वीकृत की जाये ताकि उन्हें तय समय पर आवास बनाकर मुहैया कराया जा सके।

JAC ने जारी किया नौवीं कक्षा का RESULT, 97.83 प्रतिशत हुए सफल, कोडरमा-हजारीबाग का बेहतर प्रदर्शन

सभी जिलों का रिजल्ट 90 प्रतिशत से ऊपर, फेल हुए स्टूडेंट्स को दोबारा मिलेगा मौका

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड एकेडमिक कौंसिल (जैक) ने नौवीं कक्षा का रिजल्ट मंगलवार को निकाल दिया। राज्य भर में नौवीं का 97.83 प्रतिशत रिजल्ट रहा। नौवीं के रिजल्ट में लड़के लड़कियों से आगे रहें, लड़कों का कुल पास प्रतिशत 97.90 प्रतिशत रहा, जबकि लड़कियों का पास प्रतिशत 97.77 प्रतिशत रहा। जैक अध्यक्ष ने परिणाम जारी करते हुए कहा की सभी जिलों का परिणाम बेहतर रहा। सभी 24 जिलों का परिणाम 90 प्रतिशत से ऊपर रहा।

रांची का रिजल्ट 98.43 प्रतिशत, लड़कियों ने मारी बाजी

राजधानी रांची आठवें स्थान पर रहा। यहां का रिजल्ट 98.43 प्रतिशत रहा। यहां लड़कियां लड़कों से आगे रही। लड़कियों का रिजल्ट 98.64 प्रतिशत रहा, जबकि लड़कों का 98.18 प्रतिशत रिजल्ट रहा। गिरिडीह, चतरा और कोडरमा में लड़के अच्छे अंक से आगे रहें। आपकों बता दें कि इससे पहले जैक ने झारखंड बोर्ड 8वीं कक्षा का रिजल्ट जारी किया था। जिसमें इस वर्ष 5,43,164 स्टूडेंट्स ने भाग लिया था, जिसमें से 5,15,688 छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है। इस वर्ष 8वीं का पास पर्सेंटेज 94.94 फीसदी दर्ज किया गया है। 26,298 स्टूडेंट्स 8वीं की बोर्ड परीक्षा में फेल हो गए हैं।

बेहतर रिजल्ट कोडरमा और हजारीबाग का रहा: सबसे बेहतर रिजल्ट कोडरमा और हजारीबाग का रहा। कोडरमा का पास प्रतिशत 99.45 और हजारीबाग का 99.06 प्रतिशत रहा। जबकि सबसे निचले पायदान में प सिंहभूम रहा, यहां रिजल्ट 94.42 प्रतिशत रहा। दूसरी ओर देवघर, लोहरदगा और लातेहार का रिजल्ट 95 प्रतिशत रहा।

मिलेगा एक और मौका : मालूम हो कि फेल हुए स्टूडेंट्स को बोर्ड की ओर से एक मौका और दिया जायेगा। बोर्ड की ओर से ऐसे सभी छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा विशेष परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। इससे पहले मैट्रिक व इंटर के अंक से असंतुष्ट छात्रों से पुन मूल्यांकन के लिए आवेदन लिया जा रहा है।

JBVNL : बिल जेनरेट होने के 5 दिन के भीतर भुगतान करने पर 2 फीसदी की छूट

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में नयी बिजली दरें एक जून से घोषित है। बिल जेनरेट होने के पांच दिन के अंदर बिजली बिल जमा करने से उपभोक्ताओं को तत्काल दो फीसदी की छूट दी जायेगी। झारखंड बिजली वितरण निगम ने भी इस पर अपनी तैयारी कर ली है। निगम के वरीय अधिकारियों की मानें तो ये व्यवस्था एक जून से लागू है। लेकिन जुलाई महीने से उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। क्योंकि बिलिंग जून से होगी जिसमें नयी व्यवस्था लागू है। अधिकारियों की मानें तो इसके तहत उपभोक्ताओं के कुल बिल की राशि एडजस्ट की जायेगी। सरल शब्दों में कहें तो जून महीने की बिलिंग जुलाई में होगी। अगर उपभोक्ता इस बिल की राशि को बिलिंग के पांच दिनों के अंदर जमा करते है तो उन्हें दो फीसदी तत्काल बिलिंग में छूट दी जायेगी। जो उपभोक्ता जुलाई महीने में बिलिंग के पांच दिनों के अंदर राशि जमा करते है, उन्हें जुलाई महीने के बिल में दो फीसदी राशि कम करके बिल भेजी जायेगी। जिसमें स्वतः राशि कट कर आयेगी।

महीने का लाभ महीने में : अधिकारियों की मानें तो उपभोक्ताओं का इसका लाभ एक महीने की बिलिंग के हिसाब में दिया जायेगा। अगर कोई उपभोक्ता दो तीन या अधिक महीने से बिल नहीं भरते है और इसके बाद आने वाले महीने के बिल में पांच दिनों के अंदर बिल जमा करते है, तो उन्हें इसका लाभ नहीं मिलेगा। ऐसे उपभोक्ता दो फीसदी छूट से वंचित हो जायेंगे। उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ लेने के लिये हर महीने अपडेट बिलिंग रखनी होगी।

जून के पहले लाभ नहीं : निगम की मानें तो जून से ये व्यवस्था लागू हुई है। जून की बिलिंग जुलाई में होगी। ऐसे में जुन के पहले महीने के बिलिंग में ये व्यवस्था लागू नहीं रहेगी। साथ ही अगर कोई उपभोक्ता जून के पहले के बकाया राशि जुलाई में भुगतान करते है और दो फीसदी छूट की मांग करते है तो, उन्हें इसका लाभ नहीं मिलेगा। बता दें निगम के पास लगभग 40 लाख घरेलू उपभोक्ता है। इसमें से 27 लाख उपभोक्ता ग्रामीण क्षेत्र के है।

मंत्री सत्यानंद भोक्ता के डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई 16 को

RANCHI : राज्य के श्रम मंत्री और पूर्व कृषि मंत्री सत्यानंद भोक्ता से जुड़े बीज खरीद घोटाला मामले में एसीबी के विशेष न्यायाधीश प्रकाश झा की अदालत में मंगलवार को डिस्चार्ज पिटीशन पर आंशिक सुनवाई हुई। सत्यानंद भोक्ता की ओर से साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कोर्ट से समय की मांग की गई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि 16 जून निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि बीज घोटाला में जब आरोप पत्र दायर किया गया था, तब सत्यानंद भोक्ता कृषि मंत्री थे। वर्ष 2004 से 2007 के बीच 46.10 करोड़ रुपये से अधिक का बीज घोटाला हुआ था। इस दौरान कुछ संस्थाओं से गेहूं, चना और दूसरे अनाज के बीज की खरीद के नाम पर कथित तौर पर गबन हुआ था।

नेतरहाट की तर्ज पर राज्य के आवासीय और इंदिरा गांधी विद्यालयों में नामांकन के लिए होगी परीक्षा

जैक ने जारी किया आदेश, 15 जून तक भर सकते हैं फॉर्म

झारखंड का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य

नेतरहाट विद्यालय में प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी को झारखंड राज्य का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को इस संबंध में सक्षम प्राधिकार अंचलाधिकारी या अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा निर्गत निवास प्रमाण पत्र शामिल करना होगा। प्रवेश परीक्षा एक स्तरीय होगी। यह परीक्षा एक पाली में ढाई घंटे की होगी। जिसमें 100 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें मानसिक योग्यता, हिंदी, गणित, विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान विषय से प्रश्न शामिल होंगे। प्रत्येक विषय में पांच अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रकृति और 15 अंकों के विषयनिष्ट प्रकृति के प्रश्न शामिल होंगे। प्रवेश परीक्षा में पूछे जानेवाले प्रश्नों का स्तर पांचवी कक्षा तक होगा।अंतिम रूप से चयनित 100 छात्रों का नामांकन चिकित्सीय जांच एवं सभी प्रमाण पत्रों के सत्यापन के बाद लिया जाएगा।

PHOTON NEWS RANCHI : नेतरहाट विद्यालय की तर्ज पर झारखंड के आवासीय और इंदिरा गांधी विद्यालयों में नामांकन के लिए प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा होगी। इसे लेकर झारखंड अधिविद्य परिषद के द्वारा आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि झारखंड सरकार द्वारा नेतरहाट विद्यालय की तर्ज पर संथाल परगना, कोल्हान प्रमंडल में संचालित आवासीय विद्यालय और इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय हजारीबाग के सत्र 2023- 24 में कक्षा छह में नामांकन के लिए प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसे लेकर परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 15 जून तय की गई है। इसके बाद छात्रों के द्वारा आवेदन फॉर्म का प्रिंट निकाल कर जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में जमा करने की तिथि 17 जून तक तय की गई है।

12 किसानों के साथ रांची कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के कुल 20 छात्र-छात्राएं भी हुए शामिल

बटन मशरूम की व्यावसायिक खेती पर 28 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, किसानों संग छात्र-छात्राएं भी ले रहे हिस्सा

PHOTON NEWS RANCHI : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पौधा रोग विज्ञान विभाग द्वारा संचालित मशरूम उत्पादन ईकाई में बटन मशरूम की व्यावसायिक खेती विषय पर 28 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में रांची जिले के 12 किसानों के साथ रांची कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के कुल 20 छात्र-छात्राएं भी रूरल एग्रीकल्चरल वर्क एक्सपीरियंस (रावे)-एक्सपीरियंस लर्निंग प्रोग्राम के तहत शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन डीन एग्रीकल्चर डॉ डीके शाही ने किया। मौके पर उन्होंने बटन मशरूम की व्यावसायिक खेती को भूमिहीन किसानों एवं युवाओं के लिए ग्रामीण एवं शहरी रोजगार का सरल उद्यम बताया। कहा कि इसकी खेती में बड़ी आसानी से कम लागत में दोहरा लाभ लिया जा सकता है। इस अवसर पर मशरूम उत्पादन ईकाई के प्रभारी डॉ एन कुदादा ने अन्य मशरूम की अपेक्षा बटन मशरूम उत्पादन की प्रक्रिया की जटिलता पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों संग कृषि स्नातक छात्रों को बटन मशरूम उत्पादन की दीर्घ अवधि (28 दिनों वाली) तकनीक से अवगत कराया। मौके पर डॉ राकेश कुमार, डॉ पीबी साहा एवं केयरटेकर (मशरूम यूनिट) मुनी प्रसाद भी मौजूद थे। कार्यक्रम के पहले दिन सभी प्रतिभागियों को बटन मशरूम उत्पादन के लिए खाद तैयार करने की व्यावहारिक विधि से प्रशिक्षित किया गया। जैविक और अजैविक पदार्थों को मिश्रित करने की विधि को स्वयं से करने को बताया गया। प्रतिभागियों को बताया गया कि खाद निर्माण की अवधि 24-28 दिनों की होगी। इस दौरान जैविक और अजैविक पदार्थों के मिश्रण की 8 बार पलटाई होगी। मिश्रण के तीसरे पलटाई में जिप्सम तथा सातवें पलटाई में फ्यूराडान मिलाने की विधि के बारे में बताया जायेगा।

28 दिवसीय प्रशिक्षण में छात्र-छात्राएं एवं किसान ● फोटोन न्यूज

प्राक्कलन के अनुरूप ग्रामीण सड़क नहीं बनी

रिटायर इंजीनियर के पेंशन से 20 फीसदी राशि काटने का आदेश

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने तत्कालीन प्रभारी कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य प्रमंडल गोड्डा वर्तमान में सेवानिवृत रामानंद राय की पेंशन राशि से 20 फीसदी कटौती का आदेश दिया है। पदस्थापन अवधि में छोटी लोहबंधा से दरघट्टी तक पथ निर्माण कार्य में बरती गयी अनियमितता के आरोप में उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गयी थी। उनके खिलाफ 2021 में ही विभागीय कार्यवाही शुरू की गयी थी। अधीक्षण अभियंता के तकनीकी सलाहकार कार्य अंचल दुमका प्रमंडल के द्वारा जांच की गयी थी। यह बात सामने आयी थी कि पथ की चौड़ाई व मोटाई विशिष्टि के अनुरूप नहीं यानि कम थी बिटुमिनस भाग वाले क्रस्ट का भी थिकनेस सही नहीं था। प्राक्कलन के अनुरूप काम नहीं किया गया। जिस वजह से सरकारी राशि का दुरूपयोग हुआ और संवेदक को लाभ पहुंचाया गया। इसके अलावा पर्यवेक्षण का अभाव सहित अन्य कई गड़बड़ी भी सामने आयी। संवेदक को पहले डिबार तो किया गया बाद में बिना किसी कारण उसे डिबार मुक्त कर दिया गया। विभाग ने समीक्षा में पाया कि संवेदक के साथ इंजीनियर भी इस मामले में दोषी है। ऐसे में जांच प्रतिवेदन के अनुरूप रिटायर प्रभारी इइ के पेंशन से राशि स्थायी रूप से काटने का आदेश दिया गया है।

देवघर श्रावणी मेले की तैयारियां शुरु

बाबा मंदिर पहुंचे डीसी मंजूनाथ भजंत्री, सुरक्षा व विधि-व्यवस्था का लिया जायजा

PHOTON NEWS DEOGHAR : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था व विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त ने मंदिर प्रांगण का निरीक्षण कर आगामी राजकीय श्रावणी मेला 2023 को लेकर की जाने वाली व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर किए जाने वाले कार्यों, शीघ्र दर्शनम की व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बाबा मंदिर प्रांगण, फुट ओवर ब्रिज, क्यू कॉम्प्लेक्स, संस्कार मंडप एवं सभी बाइस मंदिर में किए जाने वाले वाले कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालु सुलभ व सुरक्षित जलार्पण कर सकें।

बाबा मंदिर में डीसी मंजूनाथ भजंत्री। ● द फोटोन न्यूज

21 जून तक पूरा करें सभी कार्य : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मंदिर निरीक्षण के क्रम में विधि व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की किए जाने वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा करते हुए मंदिर समन्वय समिति, मंदिर प्रशासन, बाबा मंदिर थाना को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं को मिलने वाली व्यवस्थाओं व सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करने की बात कही। उपायुक्त ने राजकीय श्रावणी मेला को लेकर पंडा पुरोहित समाज के साथ बाबा मंदिर में बैठक के अलावा बाबा मंदिर जुड़े सभी स्टेक होल्डर्स के साथ जल्द ही बैठक की बात कही। उन्होंने श्रावणी मेला को लेकर की जाने वाली तैयारियों, व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को 21 जून तक सभी कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने बाबा मंदिर प्रांगण व आसपास के क्षेत्रों में विशेष रूप से साफ-सफाई व कचड़ा उठाव को लेकर सफाई टीम बनाने का निर्देश दिया, ताकि स्थल चिन्हित करते हुए सफाई टीम को प्रतिनियुक्त किया जा सके।

BRIEF NEWS

धार्मिक भावना भड़काने के आरोप में युवक गिरफ्तार

SIMDEGA : जिले में सदाब सुहैल को पुलिस ने सोशल मीडिया पर धार्मिक भावना भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसने अन्य धर्म के देवताओं को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी। साथ ही महिलाओं को लेकर गलत शब्दों का प्रयोग किया था। मामले में रांची के भाजपा विधायक सीपी सिंह ने ट्वीट कर कार्रवाई की मांग की थी। रांची विधायक के ट्वीट करने के बाद मामला गरमा गया। मामला तूल पकड़ता देख सिमडेगा पुलिस एक्शन मोड में आई और बिना किसी देरी के आरोपी सदाब सुहैल को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित युवक के खिलाफ सदर थाना में मामला दर्ज किया गया है।

झील से मिला अज्ञात युवक का शव, हत्या की आशंका

HAZARIBAGH : हजारीबाग के गांधी प्रतिमा स्थित झील से एक अज्ञात युवक का शव लोहसिंगना पुलिस ने मंगलवार को बरामद किया है। युवक की पहचान अब तक नहीं हो पायी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि झील में एक युवक का शव देख इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। लोहसिंगना थाना पुलिस और मुर्दा कल्याण समिति के नीरज कुमार ने शव को झील से निकालकर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस भेजा। इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि जब तक मृतक की पहचान नहीं हो जाती, तब तक कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

रेलवे ट्रैक के दोनों किनारे निर्माणाधीन दीवार का ग्रामीणों ने किया विरोध

SARIYA (GIRIDIH) : सरिया प्रखंड के करंबा हॉल्ट स्टेशन से गुजरने वाली रेलवे ट्रैक के दोनों किनारे निमार्णाधीन दीवार का करंबा गांव के ग्रामीणों ने विरोध कर वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराने की मांग रेल विभाग से की है। रेलवे सुरक्षा की दृष्टि से इस दीवार का निर्माण करा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस दीवार के कारण यहां के ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। इस दीवार ने गांव को दो हिस्से में बांट दिया है। पंचायत भवन जाने के लिए ग्रामीणों को 7 किलोमीटर दूरी तय कर जाना पड़ रहा है। इसके पहले ग्रामीण महझ रेलवे ट्रैक पार कर कम ही समय में पंचायत भवन जाते थे। दीवार के कारण स्कूली बच्चों को भी विद्यालय जाने में परेशानी हो रही है।

जनसेवकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल 28वें दिन भी जारी

GODDA : जिले में चल रहे जनसेवकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल सोमवार को 28वें दिन भी जारी रहा। ग्रेड पे घटाए जाने के विरोध में तथा अपने 11 सूत्री मांगों के समर्थन में झारखंड राज्य के सभी जनसेवक नौ मई से हड़ताल पर हैं। उल्लेखनीय है कि जनसेवक कृषि कार्य के अतिरिक्त प्रखंडों में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड सांख्यिकी पर्यवेक्षक, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, सहायक गोदाम प्रबंधक, बीएलओ सुपरवाइजर आदि का प्रभार संभालते हैं। इनके हड़ताल के कारण विकास की गति धीमी हो गई है। बावजूद इसके सरकार इनके मांगों के प्रति असंवेदनशील हैं। जनसेवक संघ के गोड्डा जिला अध्यक्ष नंदलाल पंडित ने कहा कि 09 जून को कृषि मंत्री के विधानसभा क्षेत्र जरमुंडी में राज्य के सभी जनसेवक एकत्रित होंगे और बासुकीनाथ में न्याय यात्रा निकालेंगे। साथ ही जरमुंडी प्रखंड कार्यालय के सामने मैदान में धरना प्रदर्शन करेंगे।

नाबालिग के अपहरण का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

CHOUPARN : चौपारण में नाबालिग के अपहरण के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इस संबंध में चौपारण थाना प्रभारी शंभूनंद ईश्वर ने बताया कि पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर 29 मई को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उसी के आधार पर चौपारण स्थित बसरिया के शशि कुमार पिता : राज कुमार पासवान को गिरफ्तार किया गया। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

बीएमएस के कोल उद्योग प्रभारी का राजमहल दौरा आज

GODDA : भारतीय मजदूर संघ की इकाई अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ एवं कोल उद्योग के प्रभारी के। लक्ष्मा रेड्डी बुधवार को जिला अंतर्गत राजमहल क्षेत्र का दौरा करेंगे तथा राजमहल क्षेत्र की समस्याओं एवं संगठन के सदस्यों को संबोधित करेंगे। बीएमएस के ईसीएल प्रभारी जयनाथ चौबे ने कहा कि रेड्डी का यह एक दिवसीय दौरा काफी महत्वपूर्ण है। वह राजमहल क्षेत्र की कोयला उत्पादन से जुड़ी समस्याओं के साथ-साथ सांगठनिक कार्यक्रमों में भाग लेकर मजदूरों का उत्साहवर्धन भी करेंगे। रेड्डी के स्वागत के लिए भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री अंगद उपाध्याय एवं अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता मंगलवार को देवघर एयरपोर्ट पहुंच गए हैं। उल्लेखनीय है कि रेड्डी कोल स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य एवं जेबीसीसीआई के प्रमुख भी हैं। इसलिए उनका यह दौरा काफी महत्वपूर्ण बताया जा रहा है।

आम्रपाली टंडवा में शिफ्ट हुआ महाप्रबंधक कार्यालय

TANDWA (CHATRA) : आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय को आम्रपाली टंडवा में शिफ्ट करवाया गया। विस्थापित रैयतों के साथ यहां कार्यरत श्रम संगठन भारतीय मजदूर संघ की ओर से लगातार यह मांग उठाई जाती रही है। इससे यहां के लोगों को 40 किलोमीटर दूर डकरा नहीं जाना पड़ेगा और सभी काम आसानी से हो सकेंगे। इसे महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह की पहल पर किया गया। मौके पर मौजूद सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ, भारतीय मजदूर संघ और क्षेत्रीय कार्यसमिति के सदस्यों ने महाप्रबंधक को इस पहल पर गुलदस्ता देकर स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं। मौके पर आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय कुमार और सचिव शिव कुमार सिंह के साथ कल्याण के सदस्य मुकेश कुमार, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्याम सुंदर गुप्ता, परियोजना अध्यक्ष पवन कुमार, सचिव आदर्श जुगेश्वर आतेराम आदि उपस्थित थे।

कोडरमा के KTPS में करंट से एक की मौत

सांसद अन्नपूर्णा देवी मृतक के परिजनों से बातचीत करते हुए। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODARMA: जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत केटीपीएस पावर प्लांट में मंगलवार को काम के दौरान करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मंटू यादव के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार युवक पावर प्लांट के मुख्य गेट के समीप बिजली रिपेयरिंग का काम कर रहा था। इसी दौरान करंट के संपर्क में आ गया। घटना के बाद परिजन उसे झुमरीतिलैया शहर के निजी क्लीनिक लेकर पहुंचे, जहां से चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर में चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना के बाद केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सह कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा देवी सदर अस्पताल पहुंची और मृतक के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि मंटू जिस कंपनी के अधीन काम करता था, उस कंपनी से बात कर उचित मुआवजा दिलाया जायेगा।

हजारीबाग में शिक्षक के घर नकद सहित पांच लाख के आभूषण की चोरी

HAZARIBAGH : हजारीबाग-कटकमदाग थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचशील कॉलोनी स्थित शिक्षक अर्जुन चौधरी के घर से नगद समेत पांच लाख की चोरी होने का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। भुक्तभोगी घर बंद करके परिवार सहित तीन जून को बिहार के पूर्णिया गया हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल पुलिस कटकमदाग पुलिस स्थल पर पहुंची। घटना स्थल के बगल स्थित शैलेश सिंह के घर लगे सीसीटीवी कैमरा को पुलिस ने खंगाली। हालांकि सीसीटीवी कैमरे में किसी की तस्वीर कैद नहीं पाया गया। भुक्तभोगी शिक्षक अर्जुन चौधरी ने बताया कि घर के अंदर घुसने के लिए चोरों ने तीन दरवाजे में लगे ताला को तोड़कर प्रवेश किया। कमरे के अलमीरा तोड़कर उसमें रखे 70,000 नगद और 3.5 लाख के आभूषण चुरा कर ले गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

गढ़वा के श्री बंशीधर नगर अनुमंडलीय अस्पताल के स्टोर रूम में लगी आग

PHOTON NEWS GARHWA : श्री बंशीधर नगर अनुमंडलीय अस्पताल के स्टोर रूम में मंगलवार सुबह आग लगने से दवा और दस्तावेज समेत लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद अस्पतालकर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

स्टोर रूम में लगी आग। ● द फोटोन न्यूज

इसकी सूचना मिलने पर दमकल वाहन भी अस्पताल पहुंचा लेकिन रास्ता नहीं होने के कारण फायर ब्रिगेड के कर्मी आग नहीं बुझा ना सके। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक सुबह में सफाईकर्मी राजमति अस्पताल की सफाई के दौरान स्टोर रूम से धुआं निकलता देख वहां जाकर देखा और ड्यूटी पर तैनात कैसर आलम को सूचना दी। कैसर आलम ने डीएस डॉ सुचित्रा को सूचित कर अस्पतालकर्मियों के साथ आग बुझाने में जुट गये। डीएस भी अस्पताल पहुंच गईं, उन्होंने स्टोर रूम में लगी आग को देख कर ताला तोड़कर सामान को बचाने का प्रयास किया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। स्टोर रूम में रखी गई दवा, फर्नीचर, पुराना दस्तावेज सहित अन्य सामान जल चुके थे। अस्पताल की बाउंड्री में स्थित आम को तोड़ने वाले बच्चों द्वारा आग लगाने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, आग को समय पर काबू पा लिया गया नहीं तो बड़ा हादसा भी हो सकता था। जले स्टोर रूम के बगल में कुपोषण उपचार केंद्र, दवा भंडार, प्रसव कक्ष, प्रसूता गृह भी आग की चपेट में आ सकते थे, जिससे बड़ी दुर्घटना घट सकती थी।

इस संबंध में डीएस डॉ सुचित्रा कुमारी ने बताया कि सफाईकर्मी राजमति ने सफाई के दौरान अस्पताल की बाउंड्री में पीछे कुछ बच्चों को आम तोड़ते देखा था। उन्होंने संभावना जतायी कि आम तोड़ने के क्रम में बच्चों ने ही आग लगा दी, जिससे कारण स्टोर रूम जलकर राख हो गया।

शराब पीकर बड़ा भाई करता था झगड़ा, छोटे ने कर दी थी हत्या

PHOTON NEWS PALAMU : जिले की नावाबाजार थाना पुलिस ने रजहारा रेलवे स्टेशन के डाउन लाइन से मिले शव की शिनाख्त कर ली है। उसकी पहचान तुकबेरा निवासी अजय राम के रूप में हुई है। उसकी हत्या की गयी थी और शव को रेलवे पटरी पर फेंक दिया गया था, ताकि दुर्घटना साबित हो जाए।

विश्रामपुर के एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने मंगलवार को इस कांड का खुलासा करते हुए बताया कि 17 मई को रजहारा रेलवे स्टेशन के लाइन से शव मिलने के बाद 19 को उसकी पहचान हुई। अनुसंधान के क्रम में मृतक के छोटे भाई आशीष कुमार उर्फ छोटू पिता कमेश राम से गहन पूछताछ की गई। बताया कि उसका बड़ा भाई अजय ज्यादा शराब का सेवन करता था और हमेशा माता-पिता एवं भाभी के साथ मारपीट करता था। नतीजा घर में अशांति बनी रहती थी। भाभी से बात करने पर अजय शक करते हुए उसे गाली-गलौच करता था।

तंग आकर बड़े भाई की हत्या की योजना बनाई। बड़े भाई को खूब शराब पिलाई और रजहारा रेलवे स्टेशन पर रेलवे पटरी के पास ले गया। वहां साड़ी की पट्टी से अजय का हाथ बांधकर एक बड़े पत्थर से उसके सिर पर वार किया। फिर चाकू से गला रेत दिया। बाद में दुर्घटना दिखाने के लिए शव को पटरी के ऊपर रख दिया। ट्रेन की चपेट में आने से शव के दो टुकड़े हो गए। आशीष के बयान पर घटना में इस्तेमाल चाकू और पत्थर घटनास्थल से बरामद किया गया।

ट्रेन से कटकर किशोरी की मौत

MADNINAGAR : डालटनगंज रेलवे स्टेशन से सटे सूदना रेलवे क्रॉसिंग के पास किराना का सामान लेने जाने के क्रम में रेलवे लाइन पार करने के दौरान ट्रेन से कटकर चंचला कुमारी (12) की मौत हो गई। चंचला और उसकी मां पूनम देवी सुदना इलाके में किराए के मकान पर रहे थे। पूनम घरों में झाड़ू पोछा कर-के अपना भरण पोषण करती है। पिछले तीन वर्ष से महिला अपने पति विजय पासवान से अलग रह रही थी। मंगलवार की सुबह में पूनम देवी झाड़ू पोछा करने के लिए घर से निकली थी। चंचला पास की किराने की दुकान पर सामान लेने जा रही थी। इसी दौरान अजमेर-संतरागाछी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई।

ठाकुर मोटर्स के मालिक को अपराधियों ने गोली मारी, हालत गंभीर, दहशत

PHOTON NEWS DHANBAD : नया बाजार स्थित ठाकुर मोटर्स के मालिक संजीवानंद ठाकुर को अपराधियों ने धैया-सुशनीलेवा हीरक रोड में गोली मार दी। घायल संजीवानंद ठाकुर को असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां घायल संजीवानंद की गंभीर स्थिति को देखते हुए दुगार्पुर मिशन अस्पताल (पश्चिम बंगाल) रेफर कर दिया गया है। संजीव आनंद ठाकुर बरवाअड्डा कमल कटेसरिया के पीछे के रहने वाले हैं। नया बाजार से अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे, इसी बीच अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। सूत्रों के हवाले से पता चला कि उन्हें एक गोली लगी है। संजीव को गोली फ्लावर मिल रानी बांध धईया के पास मारी गई है। सूचना मिलने के बाद बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। गोली मारने की घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। नया बाजार में सोमवार रात लगभग 8:30 बजे दुकान बंद कर संजीवानंद ठाकुर मेमको मोड़ अपने घर जा रहे थे। तभी धैया स्थित रामायण निवास के पास बाइक सवार अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की। एक गोली संजीवानंद ठाकुर की पीठ में फंसी हुई है। गोली मारने के के बाद अपराधी भाग निकले।

Auto का टायर फट जाने से उस पर सवार एक दर्जन से अधिक लोग जख्मी

PHOTON NEWS MADNINAGAR : लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के जगतपुरवा मोड़ के पास एक ऑटो का टायर फट जाने से उस पर सवार एक दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गए। सभी का इलाज एमआरएमसीएच मेदिनीगर में किया गया। जख्मी लोगों में झूला देवी, आशीष, परिंदा देवी, स्वराज देवी, शिव पूजन, चंद्रदीप साव, ओमप्रकाश, सरोज देवी, मुकेश कुमार, लालबाबू आदि हैं।

बताया जाता है कि सभी पाटन प्रखंड के चुरादोहर के रहने वाले हैं और टेंपो बुक कर चैनपुर के अफसाने में शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। ऑटो का टायर फटने के बाद ऑटो पोल से टकरा गया, जिससे सारे यात्री जख्मी हो गए। सभी का इलाज किया गया। वे खतरे से बाहर हैं।

अनियंत्रित हाईवा ने कार और ऑटो को मारी टक्कर, दो की मौत

PHOTON NEWS DUMKA : जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बरमसिया गांव में एक अनियंत्रित हाईवा ने पहले एक कार को और फिर एक ऑटो को पीछे से टक्कर मार दिया, जिसमें ऑटो पर सवार एक बालक और एक महिला की मौत हो गई। महिला की पहचान नहीं हो पाई है जबकि 12 वर्षीय मृत बालक का नाम विमल मुर्मू है। वह शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के शहरजोरी गांव का रहने वाला था और अपनी मां के साथ छात्रवृत्ति लेकर अपने घर वापस लौट रहा था। इस दुर्घटना में विमल की मां गंभीर रूप से घायल है। घायल को मोहालपहाड़ी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कोडरमा में प्रशासन ने बाल विवाह रुकवाया

PHOTON NEWS KODARMA : झारखंड सेवा संस्थान चाइल्ड लाइन टीम, मरकच्चो अंचलाधिकारी रामसुमन प्रसाद, मरकच्चो थाना प्रभारी लवकुमार ने मंगलवार को मरकच्चो प्रखंड के आदर्श पंचायत चोपनाडीह स्थित ग्राम बभनडीह में गुप्त सूचना के आधार पर एक 15 साल की किशोरी की शादी को रोक दिया।

चाइल्ड लाइन टीम के सदस्य व पुलिस और ग्रामीण बातचीत करते। ● द फोटोन न्यूज

गांव में एक किशोरी की शादी की तैयारी चल रही थी। मंगलवार रात को धनबाद स्थित कतरास कपूरिया मोड़ से बरात आने वाली थी। इससे पहले अधिकारियों को बाल विवाह होने की सूचना मिली। विभाग के अधिकारी पुलिस के साथ गांव पहुंचे और किशोरी के स्वजनों को समझाया। लड़की की उम्र संबंधी दस्तावेजों की जांच की गई तो उसकी उम्र 15 साल थी। बाद में बालिका पक्ष के लोगों ने लड़की के बालिग होने पर शादी करने की सहमति दी और शपथ पत्र भरवाया गया।

इस मौके पर चाइल्ड लाइन टीम लीडर राकेश कुमार, मरकच्चो चाइल्ड लाइन टीम मेम्बर सुनीता देवी, उमेश कुमार, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि सुभाष यादव, सर्कल ऑफिसर उपस्थित थे।

लड़की के पिता का हो चुका है निधन, भाई ने की बहन की शादी फिर भी ससुराल वाले मारते थे ताना

दहेज के लोभी ससुराल वाले, बांधकर करते थे पिटाई

PHOTON NEWS DEOGHAR : दहेज की लालच में ससुराल वालों ने बहू को खटिया में बांधकर पीटा। दहेज के लिए उस पर दबाव बनाया। लंबे समय तक उसे घर में बंद रखा और बाहर नहीं निकलने दिया। मामला देवघर के रिखिया थानाक्षेत्र का बताया जा रहा है। नवविवाहिता राधिका कुमारी ने अपने ही ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाया है। महिला को ग्रामीणों ने छुड़वाया जिसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गयी है।

घर में बंधक बनाकर रखा था किसी तरह बची जान : राधिका ने बताया है कि उसके ससुराल वाले पिटाई करते हैं। ससुराल की बंधक से छुटने के बाद महिला ने थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है। राधिका कुमारी ने रिखिया थाना में आवेदन दिया है। उसने अपने आवेदन में पति, ससु, सास, देवरानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राधिका का कहना है कि ससुराल वाले उसे जान से मार देते। उसके ससुराल वालों ने हाथ-पैर बांधकर घर में कैद रखा। शादी के एक साल बाद ही उसके साथ यह सब होने लगा।

कई बार ससुराल वालों की डिमांड की गयी पूरी : राधिका ने बताया कि शादी के वक्त ससुराल वालों की सारी डिमांड पूरी की गयी। इसके बाद भी ससुराल वाले सामान को लेकर ताना मारते। हर बार नयी डिमांड रखते औ? शादी की कमियों का जिक्र करते। राधिका के पिता की मौत हो चुकी है। शादी में सामर्थ्य के अनुसार भाई ने सारा सामान दिया लेकिन ससुरास वाले उस पर लगातार तंज कसते हैं।

ससुराल वालों ने कई बार की जान लेने की कोशिश : ससुराल वालों ने कई बार राधिका की दहेज की लालच में जान लेने की कोशिश की। गांव पर कई बार पंचायत बैठी। पंचों की बात मानकर चाचा ने पलंग देकर उनलोगों के साथ विदा कराया। उनकी कई डिमांड इसी तरह पूरी होती गयी लेकिन ससुराल वाले नहीं माने। 4 जून को घर में बांधकर मारपीट कर बाहर से बंद कर दिया। सूचना किसी ने लड़की के चाचा को दी। मुखिया सहित दर्जनभर गांव के लोग पहुंचेऔर ताला खोलकर जान बचाकर राधिका को बाहर निकाला और अपने साथ ले गये। अब इस मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है।

BRIEF NEWS

मिनी रोजगार मेला, 74 चयनित, 731 किए गए शॉर्टलिस्ट

Jamshedpur : अवर प्रादेशिक नियोजनालय, गोलमुरी, जमशेदपुर में मंगलवार को जिले के विभिन्न नियोजकों से प्राप्त कुल 1356 रिक्तियों के विरूद्ध रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने की योग्तया 8वीं पास से लेकर इन्टरपास, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, बीटेक तक थी।इस दौरान कुल 1200 अभ्यार्थी ने भाग लिया गया। इसकी वजह से आयोजन स्थल पर पूरे दिन युवकों की भीड़ रही। इस दौरान अलग अलग कंपनियों द्वारा निर्धारित पदों के विरूद्ध योग्य युवाओं को शॉर्टलिस्ट एवं चयनित किया गया। नियोजनालय कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान जहां 74 युवा चयनित हुए वहीं 731 को शार्टलिस्ट किया गया। यह रोजगार मेला बम बैजु, नियोजन पदाधिकारी बम बैजु व प्रियंका भारती तथा कार्यालय के कर्मियों के देख-रेख में संपन्न हुआ। मौके पर प्रियंका भारती ने कहा कि यह हमारे लिए एक सफल रोजगार मेला है।

ईचागढ़ की युवती मिली कोरोना पॉजिटिव

Jamshedpur: सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ निवासी एक 22 वर्षीय युवती कोरोना पॉजिटिव मिली है। युवती में कोरोना के लक्षण दिखने के बाद उन्होंने एमजीएम अस्पताल में जांच के लिए नमूना दी थी। मंगलवार को आई रिपोर्ट में कोरोना होने की पुष्टि हुई है। फिलहाल युवती होम आइसोलेशन में है। जिला सर्विलांस विभाग के अनुसार, मंगलवार को कुल 109 लोगों की जांच हुई। इसमें एक संक्रमित मरीज मिला, जो ईचागढ़ की रहने वाली है। पूर्वी सिंहभूम जिले में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार कमी आ रही है।

गैर कंपनी क्षेत्रों में बिजली कटौती से लोग बेहाल

42 डिग्री तापमान के बीच बिना बिजली के कट रहा दिन

- 72, घंटा में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बहाल नहीं हुई तो होगा आंदोलनः बाबर खान
- जेएमएम ने कहा, बिजली विभाग की लापरवाही से चरमरा गई है आपूर्ति

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जमशेदपुर के गैर कंपनी क्षेत्रों में इस समय बिजली की भारी कटौती हो रही है. 42 डिग्री तापमान के बीच 8 से 10 घंटे तक की बिजली कटौती से लोग बेहाल हैं. वहीं भारी बिजली कटौती को लेकर झामुमो नेता बाबर खान ने कहा कि मानगो के विभिन्न क्षेत्रों में विधुत उप केंद्र के रख रखवा (मेंटेनेंस) नाम पर आवासीय क्षेत्र में 8 से10 घंटा बिजली कटी जारही है. बिजली की आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई है. कभी विद्युत उप केंद्र तो कभी ग्रिड का शेडिंग से विद्युत उपभोक्ता काफी निराश हैं.

जो काम भीषण गर्मी से पहले करना चाहिए उसे बिजली विभाग खतरनाक गर्मी में करता है. इस के बावजूद हल्की हवा और बारिश हुई के घंटों पावर काट दिया जाता है. झामुमो नेता बाबर खान ने कहा विभाग की लचर व्यवस्था का नतीजा है कि आम आदमी को 24/ घंटा में 12 से 14 घंटा ही बिजली मिल पा रहा है. जो बहुत ही गंभीर मामला है. विभाग के प्रति विद्युत उपभुक्ता अकरोशित हो रहे हैं.

बाबर खान ने कहा बहुत जल्द झामुमो प्रतिनिधि मंडल विद्युत महा प्रबंधक से मिलकर जन हित मे विद्युत आपूर्ति सुचारु रुप से करने का मांग करेगा.यदि दिए हुए समय में बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं हुई तो झामुमो विद्युत विभाग के अधिकारियों के विरोध में कड़ा रुख अख्तियार करेगी.

सीएम ने बिजली नहीं काटने का दिया है आदेश फिर भी अधिकारी मेंटेनेंस के नाम पर काट रहे बिजलीः बाबर खान ने कहा हेमंत सरकार विधुत आपूर्ति पर सख्त आदेश विभाग को दिया है की बिजली की कटौती आवासीय क्षेत्र में न हो लेकिन विभाग की लापरवाही बरतने के कारण आम जनता तरही तरही हो रही है. बिजली कटौती के कारण पेयजल की समस्या होजती है. बाबर खान ने कहा कि 72/ घंटा में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बहाल नहीं हुई तो विद्युत महा प्रबंधक का घेराव किया जायेगा.

अभी गर्मी से नहीं मिलेगी निजात

अगले चार दिन हीट वेव का अलर्ट

शहर में भीषण गर्मी पड़ रही है। तापमान लगातार आसमान छू रहा है। मंगलवार को गर्मी इतनी तेज थी कि दोपहर में सड़के सुनसान दिखीं। वहीं, लोग भी इस गर्मी से बचने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, अभी गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। बुधवार को भी इसी तरह की गर्मी देखने को मिलेगी। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने अगले चार दिन तक यानी दस जून तक हीट वेव (लू) की चेतावनी जारी किया है। ऐसे में लोगों को कम से कम घर से निकलने की सलाह दी गई है। खासकर बच्चे व बुजुर्गों को। चूंकि उन्हें लू लगने की संभावना अधिक रहती है। हालांकि, मौसम विभाग ने राहत की भी खबर दी है। मौसम विभाग के अनुसार, 11 व 12 जून को शहर में गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। इससे तापमान में थोड़ी कमी आ सकती है।

शहर में अगले पांच दिन का संभावित तापमान

तिथि	न्यूनतम	अधिकतम
7 जून	28.0	42.0
9 जून	28.0	43.0
10 जून	29.0	43.0
11 जून	30.0	43.0
12 जून	30.0	41.0

JNAC ने चलाया बड़े बिल्डिंगों में पार्किंग एरिया को कॉमर्शियल एरिया में बदलने के खिलाफ अभियान

साकची में होटल संचालक जेएनएसी पदाधिकारी से उलझा

- सरकारी आदेश को दरकिनार करने वालों के खिलाफ अक्षेस ने मंगलवार को कारवाई की

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: अक्षेस द्वारा तमाम कॉमर्शियल बिल्डिंग में पार्किंग एरिया बनाये जाने को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है, मंगलवार को एक बार फिर साकची गोलचक्कर के समीप तमाम बिल्डिंग पर यह अभियान चलाया गया. इस दौरान कुछ होटल संचालक जेनेसी के पदाधिकारी से उलझते नजर आए. हालांकि जेएनएसी को स्पष्ट कर दिया गया कि जिस भी बिल्डिंग में पार्किंग एरिया को कमर्शियल एरिया में तब्दील किया गया है उसे तत्काल प्रभाव से पार्किंग एरिया में बदलना होगा. गौरतलब हो की इन तमाम बिल्डिंग मे पास किये गए नक्शा के आधार पर इनके बेसमेंट मे पार्किंग स्थल होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं करके बिल्डिंग मालिक उक्त बेसमेंट के पार्किंग स्थल को कमर्शियल रूप मे इस्तेमाल करते हैं और वहां से अलग मुनाफा कमाते हैं, ऐसे मे उक्त बिल्डिंग मे आने जाने वाले लोग अपने वाहनो को सड़क किनारे पार्किंग करते हैं, और इसी कारण अक्षेस विभाग के द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है, पूर्व मे नक्शा विचलन करने वाले तमाम बिल्डिंग मालिकों को नोटिस दिया जा चूका था, और कइयों ने पार्किंग स्थल बना लिया है, लेकिन सरकारी आदेश को दरकिनार करने वालों के खिलाफ अक्षेस विभाग ने मंगलवार को करवाई की. हालांकि इस अभियान के दौरान कई होटल संचालक जेएनएसी के पदाधिकारी से उलझते नजर आए. लेकिन समय पर पुलिस जवानों के पहुंचने पर मामला शांत हो गया.

पार्किंग एरिया को लेकर अभियान चलाते जमशेदपुर अक्षेस के पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

वृक्ष को अपने पुत्र के समान देखभाल करने की दिलाई गई शपथ

Jamshedpur: विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कदमा स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय भाटियाबस्ती प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गयो इस अवसर पर बच्चों के साथ सभी शिक्षकों ने मिलकर वृक्षारोपण का कार्य किया। कार्यक्रम में विभिन्न बीएड संस्थानों के आए हुए प्रशिक्षु महिला शिक्षिका भी शामिल हुईं सभी शिक्षिकाओं ने बच्चों के साथ मिलकर वृक्षारोपण बड़े उत्साह के साथ किया।

इस अवसर पर स्कूल के बच्चों और शिक्षकों को पर्यावरण के महत्व को बताया गयो इसके अलावे सभी से प्रत्येक वृक्ष को अपने पुत्र के समान उसकी देखभाल करने की शपथ दिलाई गईं कार्यक्रम में वक्ताओ द्वारा बताया गया कि पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग के कारण पर्यावरण अनिश्चितताओं से जूझ रहा है।

बिष्टुपुर RAM MANDIR से निकली श्री वेंकेटेश्वर बालाजी की भव्य रथ यात्रा

श्री वेंकेटेश्वर बालाजी की भव्य रथ यात्रा में शामिल श्रद्धालु • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: बिष्टुपुर स्थित आंध्र भक्त श्री राम मंदिरम में ब्रह्मउत्सव के आंठवें दिन मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ भगवान बालाजी की रथ यात्रा निकाली गयी. रथ यात्रा सुबह 8:00 बजे मंदिर परिसर से निकली. इसमें भारी संख्या में भक्तों ने भगवान बालाजी के रथ को खींचते हुए बिष्टुपुर पोस्टल पार्क तक पहुंचे. रथ यात्रा के दौरान रथ पर बालाजी के साथ श्री देवी और भू देवी सवार थीं. रथ यात्रा के दौरान भक्तों कि भारी भीड़ भगवान बालाजी के दर्शन के लिए सड़क पर उमड़ परी. इससे पहले सुबह 6 बजे बालाजी का नित्य काटला (हवन) पूजन किया गया. इसके बाद दूध, दही, मधु के साथ अभिषेकम किया गया. इस दौरान पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान बालाजी का मंगल गीत गाया. रथ यात्रा के दौरान विशेष रूप से आंध्रप्रदेश (सीरकाकुल्लम) से वादय संगीत मंगवाया गया है. इस दौरान भक्तों के भजन और जयघोष से शहर का माहौल भक्तिमय हो गया है. श्री राम मंदिरम के पुजारी पंडित कोंडमाचार्य ने बताया कि भगवान बालाजी का कल्याण महोत्सव 10 जून को होगा. इस दिन विशेष रूप से भगवान बालाजी का माता लक्ष्मी का विवाह होगा. इस अवसर पर चार हजार लोगों के लिए प्रसाद कि व्यवस्था की गयी है. मंदिर समिति ने भक्तों की आस्था को ध्यान में रखते हुए कल्याणम पूजा के दिन तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू के प्रसाद की व्यवस्था की गयी है. प्रसाद तैयार करने के लिए 12 कारीगर पिछले 1 सप्ताह से प्रसाद बनाने का काम कर रहे हैं. इस बार पूजा में विशेष रूप से 800 किलो लड्डू तैयार किया जायेगा. इस अवसर पर मंदिर सचिव दुर्गा प्रसाद ने बताया कि प्रसाद के रूप में मिलने वाले इस लड्डू की खासियत यह है कि यह कई दिनों तक खराब नहीं होती.

चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

बिरसानगर थाना में गिरफ्तार आरोपी व पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जमशेदपुर के बिरसानगर पुलिस ने चोरी की एक बाइक के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाश बिरसानगर निवासी ओम कुमार और सूरज कुमार मंगलवार को जेल भेज दिया गया। खरीददार बनकर पुलिस ने दोनों बदमाशों को पकड़ने में सफलता पाई। जानकारी देते हुए बिरसानगर थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि बाइक 5 जून को चोरी हुई थी।

बाइक ऑनर विकास कुमार ने इसको लेकर थाना में केस दर्ज करवाया था। फिर खरीददार बन पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया। बदमाशों को हॉस्पिटल रोड से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी ओम कुमार का अपराधिक इतिहास रहा है। वह पूर्व में भी जेल जा चुका है।

JEE एडवांस्ड : जनरल के लिए कटऑफ 65 मार्क्स तक हो सकता है, एससी एसटी के लिए 45 से 50 संभव

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जेईई एडवांस्ड-2023 का आयोजन रविवार को आईआईटी गुवाहाटी के द्वारा किया गया। परीक्षा दो पालियों में ली गई। पेपर-1 सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक और पेपर 2 दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक हुआ। छात्रों और विशेषज्ञों के मुताबिक प्रश्नपत्र मध्यम से कठिन स्तर का रहा। पहली शिफ्ट में मैथ के पेपर में केमेस्ट्री तथा फिजिक्स की तुलना में मॉडरेट तथा डिफिकल्ट लेवल के सवाल थे। 17 प्रश्नों में लगभग 10 क्वेश्चन मॉडरेट तथा 7 प्रश्न डिफिकल्ट तथा लेंदी थे। दोनों शिफ्ट मिलाकर मल्टीपल कॉन्सेप्ट के 10 प्रश्न पूछे गए। उस लिहाज से मैथ के पेपर को मॉडरेट टू टफ कहा जा सकता है। दोनों शिफ्ट मिलाकर 11वीं के सिलेबस से 45% तथा 12वीं से 55% प्रश्न पूछे गए थे। परीक्षार्थियों ने बताया कि जनरल के लिए कटऑफ 65 मार्क्स (ऑल इंडिया रैंक लगभग 20,000 हो सकता है), ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर के लिए 63, ईडब्ल्यूएस भी 63 तथा एससी-एसटी के लिए 45-50 मार्क्स संभावित है। मैथ्स के एक्सपर्ट कौमार्य मनोज बताते हैं कि जेईई एडवांस का कटऑफ लास्ट ईयर की तरह ही लगभग 65-66 मार्क्स जा सकता है। पिछले साल 66 मार्क्स पर 19000 रैंक आया था, जो इस बार उतना नीचे नहीं जाएगा। 66 मार्क्स पर 20-21 हजार रैंक रहने की संभावना है। लॉकडाउन से पहले 110 मार्क्स पर 15000 रैंक आता था, परंतु लास्ट ईयर 100 मार्क्स पर 10,000 रैंक आया था। इस बार 100 नंबर पर 13-14 हजार रैंक अपेक्षित है।

फिजिक्स के सवाल पिछले वर्ष की तुलना में थे आसानः जेईई एडवांस्ड के दोनों पेपर 180-180 अंक के रहे। यानी पूरी परीक्षा कुल 360 अंकों की रही। कोचिंग संचालक प्रशांत पांडेय ने बताया कि विशेष रूप से तैयार सी-सेट एप पर विद्यार्थियों के फीडबैक के अनुसार पेपर-1 और पेपर-2 का डिफिकल्टी लेवल लगभग एक जैसा रहा। यानी दोनों पेपर कठिन रहे। कुछ प्रश्नों के आधार पर विद्यार्थियों को पेपर-1 को सॉल्व करने में ज्यादा परेशानी हुई। नए टॉपिक्स का सही समावेश रहा। मैथ्स में सॉल्यूशन ऑफ ट्राइंगल सिलेबस से हटा दिया गया था लेकिन, फिर भी कॉम्प्रिहेन्शन बनाकर दो प्रश्न पूछे गए। फिजिक्स पिछले साल की तुलना में ज्यादा आसान था। मैथेमेटिक्स का पेपर पिछले वर्ष की तरह ही लेन्दी एवं कठिन रहा। जबकि केमेस्ट्री का पेपर पिछले वर्ष से कुछ कठिन रहा।

18 जून को आएगा रिजल्ट : जेईई एडवांस के लिए बिहार के 9 शहरों में सेंटर बनाए गए थे। 9 जून को रिस्पांस शीट उपलब्ध कराई जाएगी। प्रोविजनल आंसर-की 11 जून को ऑनलाइन जारी होगी। इसपर 11-12 जून को आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। फाइनल आंसर-की और रिजल्ट 18 जून को जारी होगा।

शादियों के मौसम में है आपको भी फूलों की जरूरत, जानें सजावट के लिए कितना होना चाहिए आपका बजट

बढ़ रही विदेशी फूलों की डिमांड, पंडालों में देखते बन रही सजावट

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: शादी में शहनाई की गूंज के साथ फूलों की बाजार महकने लगा है. बाजार में विभिन्न प्रकार के खूबसूरत फूल लोगों को खूब लुभा रहे है. ग्राहकों को लुभाने के लिए फूल विक्रेता बाजार में लोकल से लेकर बाहर से भी फूल मंगवा रहे है.

लोगों कि बढ़ती डिमांड को देखते हुए इवेंट्स कंपनियां भी अपने ग्राहकों को खूश करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं. बढ़ती फूलों कि मांगों के बीच फूलों के रेट भी पिछले सालों से बढ़ी है, जिसका असर आम लोगों के साथ शादी आयोजकों पर पड़ रहा है. फूल विक्रेताओं का कहना है कि भारी गर्मी के चलते फूलों के उत्पादन पर असर पड़ा है. साथ ही शादी में फूलों कि मांग ज्यादा होने और आवक कम होने से फूलों के दामों में वृद्धि हुई है. हालांकि उनका ये भी कहना है कि फूलों की कीमत कम-ज्यादा होते रहते हैं. उनका कहना है कि बाजार में अभी गेंदा, रजनीगंधा, गुलाब, जरबेरा फूलों कि मांग ज्यादा है. विवाह में मंडप को सजाने, जयमाल, शादी का तोरण द्वार बनाने में फूलों कि मांग ज्यादा रहती है. जमशेदपुर में विशेष रुप से फूलों कि आवक पश्चिम बंगाल के कोलाघाट से होती है. इसके अलावा रंग-बिरंगे गुलाब कि आवक बेंगलुरु से हो रही है. वहीं लोकल बाजार से फूलों कि आवक कम हो रही है. फूल विक्रेताओं का कहना है कि फूलों की महंगाई के चलते अब लोग प्लास्टिक से बनी फूलों की मांग कर रहे हैं. इवेंट्स कंपनियां भी सजावट में प्लास्टिक के फूलों का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं. इसके साथ ही कइ कंपनियां विदेशों से फूलों को मंगा रही है जो कोलकाता होते हुए जमशेदपुर पहुंच रही है.

एक नजर फूलों की कीमत पर

गेंदा फूल	-	25 से 30 रुपया प्रति पीस
लोकल गुलाब फूल	-	10 रुपया प्रति पीस
पिंक व पीला गुलाब फूल	-	20 रुपया प्रति पीस
गुलाब फूल (थोक में)	-	500 रुपया सैकड़ा
रजनीगंधा	-	200 से 250 प्रति किलो
जरबेरा	-	50 से 60 रुपया (गुच्छा)

फूल विक्रेता संतोष गुप्ता बताते हैं कि फूलों का बाजार पिछले साल जैसा है. शादी के सीजन में हर बार मामूली वृद्धि होती है. भारी गर्मी से फूलों का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है, ऐसे में सभी फूलों की कीमतों में वृद्धि हुई है. साकची के फूल विक्रेता राजा दास बताते हैं कि फूलों की आवक पहले ज्यादातर ट्रेन से होती थी, ऐसे में माल लेट होने से खराब होने की संभावना ज्यादा होती थी, लेकिन ट्रांसपोर्टेशन चार्ज लगता था. वहीं ग्राहकों को समय पर फूलों कि मांग को देखते हुए फूलों की आवक अब सड़क वाहनों से हो रही है ऐसे में ट्रांसपोर्टेशन का चार्ज बढ़ गया है.

सभी जिलों में लगेगा 'तनाव मुक्ति शिविर'

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनसीडी सेल के राज्य नोडल पदाधिकारी ने जारी किया निर्देश

Jamshedpur: भागदौड़ की जिंदगी में तनाव तेजी से लोगों पर हावी हो रहा है, जिसे लेकर सरकार भी चिंतित है. इस संदर्भ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनसीडी सेल के राज्य नोडल पदाधिकारी ने सभी जिलों के सिविल सर्जन व मेडिक कॉलेजों को पत्र लिखकर विशेष दिशा-निर्देश दिया है. उन्होंने पत्र में लिखा है कि क्षेत्र के लोगों को मानसिक स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने को लेकर जिला मानसिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं. उपलब्ध मनोचिकित्सकों तथा प्रशिक्षित मेडिकल ऑफिसर द्वारा राज्य में तनाव मुक्ति शिविर आयोजित किया जाना है. प्रत्येक माह एक निर्धारित तिथि पर सभी जिलों में शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया है.

क्या होगा डॉक्टर व कर्मियों का कार्य दायित्व :

मनोचिकित्सक डाक्टर : जिला में पदस्थापित मनोचिकित्सक तथा प्रशिक्षित मेडिकल ऑफिसर द्वारा शिविर में आये मरीजों की जांच कर उनका उचित इलाज किया जायेगा.

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्टः जिलों में पदस्थापित क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट मनोचिकित्सक द्वारा रेफर मरीजों की मनोवैज्ञानिक जांच करेंगे.

मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ताः जिलों में पदस्थापित मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा मरीजों की काउंसलिंग करेंगे.

प्रशिक्षित नर्स : मरीजों को दवा व इंजेक्शन देगी.

पूर्वी सिंहभूम जिला के सिविल सर्जन डॉ जुझार माझी ने कहा कि विभाग का पत्र मिला है. जल्द ही एक तिथि निर्धारित कर जांच शिविर शुरू की जायेगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके.

बहुत देर से सजा

लगभग 32 साल पहले किए गए अपराध में वाराणसी की एक अदालत ने सजा सुनाई है, तो यह जहां सकारात्मक फैसला है, वहीं एक बड़ा अफसोस भी इसके साथ जुड़ा है कि काश! हत्या जैसे जघन्य अपराध के मामले में पहले ही सजा सुनाई जाती, तो पूर्वांचल की राजनीति व शायद समाज का स्वरूप कुछ और हो सकता था। अब यह फैसला इतिहास में दर्ज हो गया है कि वाराणसी की एक अदालत ने 1991 के अवधेश राय हत्याकांड में गैंगस्टर-राजनेता मुख्तार अंसारी को सोमवार को आजीवन कारावास की सजा सुना दी है। कांग्रेस नेता अजय राय के भाई अवधेश राय की 3 अगस्त, 1991 को उनके घर के गेट पर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तभी से मुख्तार के खिलाफ मुकदमा चल रहा था। मगर वह निरंतर राजनीति व समाज में भी सक्रिय रहा, क्या यह चिंता की बात नहीं है? उस पीड़ित परिवार की प्रशंसा करनी चाहिए कि जिसने दशकों इंतजार किया, अनेक सरकारें आईं और गईं, समय के साथ आरोपी भी कद्दावर होता चला गया। यह हमारे समाज का एक स्याह पक्ष है कि हम अपराधियों के प्रति सजग नहीं हैं। लोकतंत्र में प्राथमिकता यही होनी चाहिए कि जनता किसी भी भ्रष्ट या अपराधी को प्रतिनिधित्व के लिए आगे न आने दे। हमारे लोकतंत्र का यह एक ह्यदुखद पहलू है कि जिस व्यक्ति को तीन दशक से भी ज्यादा समय बाद दोषी करार दिया गया है, वह इस बीच पांच बार विधायक चुना गया। अगर इस नेता ने 1991 में हत्या की थी, तो क्या उसे किसी भी सूरत में विधानसभा पहुंचने देना चाहिए था? राजनीतिक पार्टियां इस पर ज्यादा नहीं सोचती हैं, क्योंकि उनका चुनाव जीतने वाले प्रत्याशी से ही सरोकार होता है। यह व्यापकता में हमारे लोकतंत्र की खामी है कि अच्छे प्रत्याशी से ज्यादा महत्वपूर्ण है चुनाव जीतने वाला प्रत्याशी। लोगों में भी जागरूकता बढ़नी चाहिए। यह बहुतों को याद होगा कि वाराणसी में लोकसभा चुनाव 2009 में मुख्तार को पराजय नसीब हुई थी, लेकिन वह जेल में रहते हुए भी 27 प्रतिशत से ज्यादा वोट लेने में कामयाब रहा था। सोचना चाहिए, लोग आखिर क्या सोचकर दागियों को वोट देते हैं? राजनीतिक पार्टियां किस आधार पर इनका बचाव करती हैं? क्या कोई अपराधी तब तक माननीय बना रह सकता है, जब तक वह अदालत में दोषी न सिद्ध हो? बड़े नेता भी दागियों के बचाव में यह दलील देते हैं कि फलां के खिलाफ अभी अपराध सिद्ध नहीं हुआ है। यह सही है कि सजा से पहले अपराध सिद्ध होना जरूरी है, लेकिन जब अपराध सिद्ध होने में ही 32 साल लग जाएं, तो किसको दोष दिया जाए? क्या वह व्यवस्था जिम्मेदार नहीं है, जो अपराधियों को सजा सुनाने में जरूरत से ज्यादा वक्त ले रही है? देर से किया गया न्याय क्या किसी अन्याय से कम है? वैसे, कृष्णानंद राय हत्या मामले में मुख्तार को पहले ही दस साल कैद की सजा सुनाई जा चुकी है, वह जेल में है। हालांकि, उसके रसूख या विरासत पर कोई खास असर नहीं हुआ है। पिछले वर्ष ही उसके पुत्र ने विधानसभा का चुनाव जीता है।

क्रूरता की हद

दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में बीते रविवार एक किशोरी की क्रूरता से की गई हत्या ने पूरे देश को झकझोरा है। निस्संदेह, घटना स्तब्ध करने वाली है लेकिन इस वारदात का दूसरा दुखद पहलू घटना के वक्त पास से गुजरते लोगों का गैरजिम्मेदार व्यवहार है। समाज कितना संवेदनहीन हो चला है कि वहशी दरिंदा किशोरी पर सरेआम चाकू से वार पर वार करता रहा और गुजरते लोग मूकदर्शक बने रहे। अपराधी का मन दर्जनों चाकू के वार करने पर भी नहीं रुका और पत्थर से उसका चेहरा कुचलकर भाग गया। सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हृदयविदारक घटना हत्याकांड की भयावहता को उजागर करती है। विडंबना है कि हमारा समाज कितना संवेदनहीन हो चला कि सरेराह निर्ममता से एक बेटी का कत्ल हो रहा होता है और समाज के भीरू लोग ऐसे गुजर रहे थे जैसे कुछ हुआ ही नहीं है। काश, एक-दो लोग अपराधी को चुनौती देते और उसका किसी तरह मुकाबला करते तो एक बेटी की जान बच सकती थी। लेकिन लोग आम दिनों की तरह चलते रहे। हो सकता है कि कुछ लोग अपने मोबाइल में घटना को कैद करते रहे हों। आखिर लोग क्यों नहीं सोचते कि हिंसा की यह आग एक दिन उनके अपनों को भी लील सकती है। कहा जा रहा है कि गुनहगार युवक दो साल से इस लड़की के संपर्क में था। किसी हकीकत का भान होने पर लड़की ने उससे दूरी बना ली थी। लेकिन इंसान के नाम पर वहशी दरिंदा कितना हैवान था कि कभी जिस लड़की से प्रेम करने का प्रपंच करता रहा, उसे ही जानवरों की तरह काट दिया। क्या कभी किसी कथित प्रेम संबंध की परिणति ऐसी भयावह हो सकती है? यह नये दौर का वीभत्स प्रेम है कि मन की न हो तो प्रेमिका के टुकड़े-टुकड़े कर दो। देश कुछ समय पहले दिल्ली के हुए श्रद्धा हत्याकांड को नहीं भूला है, जिसमें सहजीवन में रह रही युवती के उसके ही साथी ने पैंतीस टुकड़े करके जंगल में फेंक दिये थे। विडंबना है कि ऐसी ही क्रूर घटनाएं शेष देश से भी गाहे-बगाहे सुनने को मिलती रहती हैं। घटनाएं तमाम तरह की सामाजिक विद्रूपताओं पर सवाल उठा रही हैं। सोशल मीडिया पर जो अपसंस्कृति की बाढ़ आई है वह हमारे युवाओं को लील रही है। सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि चौदह साल की उम्र में शुरू हुए अपरिपक्व प्रेम की परिणति क्या हो सकती है?

ह्यूम से खरगे तक कांग्रेस का सफर, क्या खोया क्या पाया

ANALYSIS

ऋतुपर्ण दवे

देश की राजनीति और मतदाताओं की परिपक्व सोच ने तमाम दावों और रणनीतिकारों को कई बार धूल चटाया। आम चुनाव और राज्यों के चुनावों के बीच बहुत कम समय के फासले के बावजूद अलग नतीजे इसका सबूत है। मजबूत लोकतंत्र और उससे भी ज्यादा समझदार हो चुका जनमानस अपनी सोच और दलों के भविष्य का खाका खींचते वक्त बेहद सतर्क होता है। इसके आगे बड़े-बड़े गणित और समीकरण भी असफल रहते हैं। जन सरोकारों और घर-घर संवाद के पुराने तौर-तरीकों को खो चुकी कांग्रेस, लोगों से रू-ब-रू होने के लिए सोशल मीडिया और रील, मीम्स से करिश्मे की उम्मीद बांधे बैठा है, जो नए दौर में और भी कठिन है। सच तो यह है कि जिस दल ने अपनी स्थापना के उद्देश्य और विचारधारा को ही धीरे-धीरे भुला दिया हो, उससे भला भविष्य में कितनी और कैसी अपेक्षाएं लोग करें? कांग्रेस के रहनुमाओं को चिन्ता इस बात की होनी चाहिए कि लोगों का रुझान किन कारणों से कम हो रहा है?

कभी लगता है कि कांग्रेस लक्ष्य से भटकी हुई है, कभी लगता है कि उम्मीद की किरण बाकी है। लेकिन सच यही है जनादेश वक्त के साथ अच्छे-अच्छों को हैसियत बता देता है। चाहे दल हों या राजनीतिज्ञ। आज कर्नाटक जीत के बाद भले कांग्रेस ऊर्जा से भरी होने का भ्रम पाल रही हो लेकिन इस कड़वे सच को मानना ही होगा कि जनसाधारण की रुचि दिनों दिन दूसरे दलों में ज्यादा दिखने लगी है। इसे कोई क्षेत्रवाद का विस्तार कहे या पूरे देश में बरसों बरस एकछत्र शासन कर चुके ऐसे राष्ट्रीय दल की विडंबना जो बहुत पहले अपने ही बिछाए जाल में खुद फंसती चली गई। कुछ यूं उलझी कि जनमानस के मस्तिष्क में कांग्रेस को लेकर उलझी गुत्थी कब सुलझेगी पता नहीं। ये सवाल बेहद अहम और राजनीतिक पण्डितों को भी समझ नहीं आता होगा कि गुणनफल क्या होगा? देश की राजनीति और मतदाताओं की परिपक्व सोच ने तमाम दावों और रणनीतिकारों को कई बार धूल चटाया। आम चुनाव और राज्यों के चुनावों के बीच बहुत कम समय के फासले के बावजूद अलग नतीजे इसका सबूत है। मजबूत लोकतंत्र और उससे भी ज्यादा समझदार हो चुका जनमानस अपनी सोच और दलों के भविष्य का खाका खींचते वक्त बेहद सतर्क होता है। इसके आगे बड़े-बड़े गणित और समीकरण भी असफल रहते हैं। जन सरोकारों और घर-घर संवाद के पुराने तौर-तरीकों को खो चुकी कांग्रेस, लोगों से रू-ब-रू होने के लिए सोशल मीडिया और रील, मीम्स से करिश्मे की उम्मीद बांधे बैठा है, जो नए दौर में और भी कठिन है। सच तो यह है कि जिस दल ने अपनी स्थापना के उद्देश्य और विचारधारा को ही धीरे-धीरे भुला दिया हो, उससे भला भविष्य में कितनी और कैसी अपेक्षाएं लोग करें? कांग्रेस के रहनुमाओं की चिन्ता इस बात की होनी चाहिए कि लोगों का रुझान किन कारणों से कम हो रहा है? लेकिन हो उल्टा रहा है। जो हैं वो अपने पुराने ठाठ और रुतबे का गुरूर भुलाए नहीं भूलते। शायद यही वजह है कि पूरे देश में कांग्रेस खुद को लोगों से जोड़े रखने मे जबरदस्त रूप से विफल हो रही है। अपवाद स्वरूप एक-दो प्रान्त छोड़ दें तो कहीं भी भविष्य में कांग्रेस की स्थिति पर कुछ ठोस नजर आता नहीं। जिस तरह से मध्य प्रदेश में हाथ आई सरकार गई, पूर्व में कई राज्यों (गोवा सहित कुछ अन्य) के उदाहरण हैं, राजस्थान में सरकार रहते कलह के नए-नए रूप दिखे, महाराष्ट्र में विपक्षी एकता के बावजूद गठबन्धन के दरकने की बेफिक्री के आलम से लगता है कि पार्टी में संगठनात्मक मजबूती को लेकर न मंथन है न चिंतन। एक-एक कर जिस तरह से कांग्रेस से दिग्गज व क्षत्रप पलायन करते गए उससे सवाल तो बहुत उठे। लेकिन गहराई में छिपे राज को जानकर भी अनजान कर्णधार क्यों नहीं वो सुधार कर पाए जो किसी दल के लिए सबसे अहम होते हैं। सबसे बड़ी सच्चाई यह कि अनुशासन जहां नहीं होता, वहां स्थिति खुद बेकाबू हो जाती है। नेतृत्व की स्वीकार्यता सबसे अहम होती है चाहे वह शीर्ष हो या फिर गांव, कस्बे, वार्ड, नगर, शहर, प्रान्त और केन्द्र का हो। शायद राहुल गांधी का पहली बार राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना और 2019 की हार के बाद तुरंत इस्तीफा दे देना भले निजी राजनीतिक फैसला रहा हो, इसके बाद सोनिया गांधी का अंतरिम अध्यक्ष बनना अन्दरूनी मसला हो सकता है परन्तु इससे जनमानस में गए संदेश को भांपने की विफलता की बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ी। सच है कि एक वक्त वो भी था जब सोनिया गांधी चाहतीं तो प्रधानमंत्री बन सकती थीं। लेकिन उन्होंने ऐसा न कर विपक्ष और दूसरे दलों को एक बड़ा और साहसिक संदेश दिया। ये बात अलग है कि उस दौर में प्रधानमंत्रियों को रबर स्टाम्प तक कहा गया। दरअसल कोई भी दल आन्तरिक लोकतंत्र से ही फलता-फूलता है। कांग्रेस में धीरे-धीरे यह खत्म होता गया। आज मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस के मुखिया हैं। उनका अपना राजनीतिक दौर है, यह आगे कैसा दिखेगा, वक्त पर छोड़ना होगा। हां, ऐसे निर्णय कोई दशक, डेढ़ दशक पहले होने थे। लेकिन हुआ ठीक उलटा कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से गांधी परिवार के इर्द-गिर्द सिमटी-सी दिखने लगी। शायद यही चूक थी। राजनीति में जो होता है वो दिखना नहीं चाहिए लेकिन यहां जो दिखा वही हुआ। थोड़ा कांग्रेस के अतीत को भी देखना होगा। सन् 1939 में सुभाष चंद्र बोस ने अध्यक्ष पद के चुनाव में पट्टाभि सीता रमैया को हरा दिया जो महात्मा गांधी के उम्मीदवार थे। गांधीजी ने इसे निजी हार मानी। पटेल, नेहरू समेत वर्किंग कमिटी के 13 सदस्यों ने सुभाष चंद्र बोस पर तानाशाही के आरोप लगाते हुए इस्तीफे दे दिए। साथ में यह भी कि बोस अपनी गैरमौजूदगी में कांग्रेस को सामान्य रूप से चलने नहीं दे रहे। इस बीच सुभाषचंद्र बोस के उस विवादित बयान ने खूब खलबली मचाई जिसमें उन्होंने गांधी समर्थकों को बुद्धिहीन कहा। कार्य समिति ने बोस को अपने बयान पर खेद जताने को कहा। 8 से 12 मार्च, 1939 तक त्रिपुरी, जबलपुर में हुए कांग्रेस अधिवेशन जिसमें गांधीजी कहने को तो अनुपस्थित थे लेकिन हुआ वही जो चाहते थे। गोविंद बल्लभ पंत ने आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के 160 सदस्यों की तरफ से प्रस्ताव रखा कि कांग्रेस, गांधी के रास्ते पर ही आगे बढ़ेगी। 10 मार्च को सब्जेक्ट कमेटी ने 135 के मुकाबले 218 वोटों से पारित कर दिया। यह कांग्रेस संविधान के अनुच्छेद 15 के खिलाफ था क्योंकि वर्किंग कमेटी बनाने का अधिकार अध्यक्ष को था जो बोस थे। इससे अधिवेशन में सुभाष समर्थकों और विरोधियों में जमकर हंगामा हुआ। यह खबर पूरे देश में फैली तो टैगोर ने गांधीजी से हस्तक्षेप को कहा जो तब अनशन पर थे। दुखी टैगोर ने अपने पूर्व निजी सचिव को एक पत्र लिखा कि जिस पवित्र मंच से आजादी के मंत्र गूंजने चाहिए वहां फासिस्ट दांत उभर आए हैं। इससे उनका दर्द झलका। 1942 में धुन के पक्के नेताजी ने आजाद हिन्द फौज बनाई। 6 जुलाई, 1944 आजाद हिन्द रेडियो पर उनका खास भाषण था। सभी इंतजार में थे। लोगों का लगा कि आगे आजादी की लड़ाई गांधी मुक्त होगी। लेकिन मिलिट्री यूनिफॉर्म पहने सुभाष बाबू ने जब राष्ट्र का सम्बोधन शुरू किया तो थोड़ा बोले फिर रुके और फिर कहा कि राष्ट्रपिता, हिंदुस्तान की आजादी की लड़ाई में आपका आशीर्वाद चाहिए। ये सुनते ही सभी भावुक हो गए। तब ये नेताओं का वो नजरिया व जज्बा था जिसमें कूट-कूट कर देशभक्ति झलकती थी। दो विचारधारा लेकिन लक्ष्य एक।वहीं जब बापू को बोस के विमान दुर्घटना का पता चला तो उन्होंने कहा उन जैसा दूसरा देशभक्त नहीं, वह देशभक्तों के राजकुमार थे। 24 फरवरी, 1946 के हरिजन के अपने लेख में गांधीजी लिखते हैं, आजाद हिंद फौज का जादू हम पर छा गया है। नेताजी का नाम सारे देश में गूंज रहा है। वे अनन्य देशभक्त हैं। लाख मतभेदों के बाद देशप्रेम के आगे सभी नतमस्तक दिखते थे। तब यही कांग्रेस की ताकत थी। ऐसी थी स्कॉटलैंड के एक रिटायर्ड अधिकारी एओ ह्यूम के विचारों और कोशिशों से 28 दिसंबर 1885 को बनी तब की कांग्रेस। लेकिन दुखद ये कि उन्हें ही जीते जी संस्थापक का दर्जा नहीं हासिल हुआ जो 1912 में मृत्यु के बाद मिला। निश्चित रूप से अपने मिशन और कार्यक्रमों को लेकर कांग्रेस में अंतर्विरोध कोई नया नहीं है। तब और अब का यही फर्क धीरे-धीरे कांग्रेस के लिए नासूर बनने लगा। ह्यूम की कांग्रेस स्वतंत्रता के बाद गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से होती हुई सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी से होकर अब मल्लिकार्जुन खरगे के हाथों में है। निश्चित रूप से किसी भी देश में दो मजबूत दल लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद जरूरी हैं। लेकिन भारत में जिस तरह क्षेत्रीय दलों की भूमिका बढ़ रही है उससे लगता है कि कभी ये पार्टी आगे बढ़ेगी तो कभी वो। शायद राहुल गांधी को उनके सिपहसालारों ने सही सीख दी जो भारत जोड़ो यात्रा के जरिए वाकई देश से जुड़ने की कोशिश कर अपनी छवि को सुधारा। लेकिन सवाल वही कि इस राजनीतिक दल में कब आन्तरिक लोकतंत्र पहले जैसा होगा? और क्या राहुल गांधी विदेशी दौरों के दौरान संसदीय अयोग्यता के बाद दूसरे कारणों से छलकते दर्द पर कितना मरहम लगा पाएंगे। इसका जवाब भविष्य की गर्त में छिपा है। बहरहाल गुटबाजी, अंतर्कलह और उससे भी ज्यादा यह कि नेतृत्व बनाम सुप्रीमो की भूमिका से क्या कांग्रेस बाहर आ पाएगी?

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गौरवशाली अतीत की अभिव्यक्ति

राष्ट्रीय गौरव के विषयों पर राष्ट्रीय सहमति दिखनी चाहिए अन्यथा देश विरोधी तत्वों को अनावश्यक प्रतिक्रिया देने का अवसर मिलता है। नए संसद भवन के उद्घाटन पर भी विपक्षी नेताओं ने ऐसी ही मानसिकता दिखाई। पुराना संसद भवन ब्रिटिश शासन द्वारा बनाया गया था। नई संसद आत्मनिर्भर भारत की प्रतीक है लेकिन विपक्ष ने अपनी राजनीति को ही महत्व दिया। उन्होंने राष्ट्रीय गौरव के समारोह का बहिष्कार किया। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने अमेरिका जाकर नए संसद भवन की आलोचना की। उनका कहना था कि समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए सरकार ने यह कार्य किया। इस प्रकार विपक्ष ने यहां निर्मिति भारत के गौरवशाली अतीत की कलाकृतियों का भी बहिष्कार किया। इससे पाकिस्तान जैसे देशों का मनोबल बढ़ा। उन्होंने यहां निर्मित अखंड भारत के भित्तिचित्र की निंदा की। इसे भारत की विस्तारवादी मानसिकता मान रहे हैं और इससे भविष्य को लेकर चिंतित हो रहे हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अखंड भारत का दावा भारत की विस्तारवादी मानसिकता का दिखावा है जो उनके पड़ोसी देशों, धार्मिक अल्पसंख्यकों की विचारधारा और संस्कृति को दबाना चाहती है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने भारत से विस्तारवादी विचारधारा से दूर रहने और शांतिपूर्ण तरीके से अपने पड़ोसी देशों के साथ विवादों का निपटारा करने का आग्रह किया है। नेपाल के पूर्व पीएम बाबूराम भट्टराई ने इस बारे में अपनी चिंता जाहिर करते हुए भारत से स्पष्टीकरण मांगा है। नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने भी चिंतित स्वर में इसे अनुचित बताया है। जबकि इस भित्तिचित्र का वर्तमान परिदर्शन से कोई मतलब नहीं है। यह भारत का अतीत है। प्रत्येक देश को अपने गौरवशाली अतीत का स्मरण करने, उनको कलाकृतियों में समेटने का अधिकार है। भारत ने यही किया है। वर्तमान में वह सभी देशों की स्वतंत्रता सम्प्रभुता का सम्मान करता है। पाकिस्तान ने भारत को विस्तारवादी बताया लेकिन यह वही पाकिस्तान है जिसे भारत ने युद्ध में गई जमीन ताशकंद और शिमला समझौते के तहत वापस कर दी थी। पाकिस्तान का जन्म हुआ था। जन्म लेने वाले देश जब अपने अतीत पर विचार करेंगे, तब उन्हें सच्चाई दिखना शुरू हो जाएगा। नेपाल के दो पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेताओं ने अखंड भारत कलाकृति की आलोचना की है। इनको उसी प्रकार महत्व नहीं देना चाहिए जैसे भारत के विपक्षी नेताओं के बयानों को विदेशों में कोई महत्व नहीं दिया जाता है। नेपाल के वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड इसी समय पर भारत यात्रा पर आए थे। उन्होंने अखंड भारत की कलाकृति पर बयान नहीं दिया। कहा कि उनकी यात्रा से भारत नेपाल के बीच मित्रता, आपसी समझ और साझेदारी मजबूत हुई है। भारत के नए संसद भवन में लगे अखंड भारत के म्यूरल आर्ट में प्राचीनकाल में भारत के नक्शे को दशार्या गया है। अखंड भारत के इस नक्शे में वर्तमान का पाकिस्तान, नेपाल अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, म्यांमार और बांग्लादेश दिखाए गए हैं। पहले ये भारत का हिस्सा थे। अखण्ड भारत में आज के अफगानिस्थान, पाकिस्तान, तिब्बत, भूटान, म्यांमार, बांग्लादेश, श्रीलंका आते हैं। प्राचीन काल में भारत का साम्राज्य में आज के मलेशिया, फिलीपीन्स, थाईलैण्ड, दक्षिण वियतनाम, कम्बोडिया, इण्डोनेशिया आदि में सम्मिलित थे। 1857 से 1947 के बीच भारत के कई खंड हुए। कैलाश मानसरोवर से पूर्व में वर्तमान का इंडोनेशिया है। पश्चिम में ईरान प्रदेश हिमालय के अंतिम छोर पर हैं। श्रीलंका या कन्याकुमारी से पूर्व व पश्चिम की तरफ हिंद महासागर इंडोनेशिया ईरान तक ही है। इनके बाद ही दोनों ओर महासागर का नाम बदलता है। हिमालय, हिंद महासागर, आर्यान ईरान व इंडोनेशिया के बीच का पूरे भू-भाग को आर्यावर्त अथवा भारतवर्ष कहा जाता था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह सम्राट अशोक के शासनकाल में भारत के मानचित्र को दशार्ता है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह मुद्दा एक दिन पहले भारत और नेपाल के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई बैठक में भी नहीं उठा था। यह कलाकृति लोक आधारित शासन व्यवस्था को बताता है। भित्ति चित्र के पास यह जानकारी भी लिखी है। 1937 में अहमदाबाद में हिंदू महासभा के वार्षिक सत्र में भारतीय कार्यकर्ता और हिंदू महासभा के नेता विनायक दामोदर सावरकर ने एक अखंड भारत की धारणा को प्रतिपादित किया कि कश्मीर से रामेश्वरम तक, सिंध से असम तक एक और अविभाज्य रहना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सभी नागरिक जो भारतीय राष्ट्र और भारतीय राज्य के प्रति अविभाजित वफादारी और निष्ठा रखते हैं, उनके साथ पूर्ण समानता के साथ व्यवहार किया जाएगा। जाति, पंथ या धर्म के बावजूद कर्तव्यों और दायित्वों को समान रूप से साझा करेंगे, और प्रतिनिधित्व भी करेंगे या तो एक व्यक्ति एक वोट के आधार पर या पृथक निर्वाचक मंडल के मामले में जनसंख्या के अनुपात में और सार्वजनिक सेवाएं अकेले योग्यता के आधार पर होंगी। परतंत्रता काल में कन्हैयालाल मणिक लाल मुन्शी ने अखंड भारत के प्रति समर्थन व्यक्त किया था। इस प्रस्ताव से महात्मा गांधी भी सहमत थे। उनका कहना था कि ब्रिटेन फूट डालो और राज करो की नीति अपनाकर अपने साम्राज्य को बनाए रखना चाहता है। एकता के बल पर उसके प्रयासों को विफल करना आवश्यक है। मूल संविधान में प्रत्येक अध्याय के प्रारंभ में चित्रों को सजाया गया था। प्रारंभ में अशोक की लाट का चित्र है। उसके साम्राज्य को अखंड भारत कलाकृति में दिखाया गया। संविधान की प्रस्तावना को सुनहरे बार्डर से घेरा गया है, जिसमें मोहन जोदड़ो के घोड़ा, शेर, हाथी और बैल के चित्र बने हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

देशवासीयांना शिवराज्याभिषेक दिनाच्या शुभेच्छा! आजच्याच दिवशी छत्रपती शिवाजी महाराजांनी हिंदवी स्वराज्य स्थापिले व भारताचा स्वाभिमान, अस्मिता आणि स्वत्व जागृत करत, सुशासनाचे दर्शन घडविले। आजचा दिवस स्वराज्य आणि न्यायपूर्ण शासन स्थापनेचा आहे।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

मध्यप्रदेश के दमोह में स्कूल के अंदर पूरा इस्लामी माहौल बनाया गया था। शिक्षकों का धर्मपरिवर्तन कराया गया। हिंदू बच्चों को उर्दू पढ़ने, हिजाब पहनने, अभिवादन के लिए सलाम कहने को बाध्य किया गया। सिलेबस में इस्लामी प्रतीकों, मान्यताओं को पढ़ाया जाता था और हिंदू बच्चों से रोजा रखवाया जाता था। झारखंड के प्रमुख शहरों के कुछ अल्पसंख्यक संस्थान इसी प्रकार का माहौल अपने संस्थान में बनाये हुए हैं। कहा जाता है कि ब्रेनवाश सबसे कारगर तरीका है धर्मपरिवर्तन का, झारखंड में भी यही प्रयोग हो रहा है। अभिवावक बच्चों की पढ़ाई, उनकी गतिविधियों पर नजर रखें। गाजियाबाद में तो वीडियो गेम खलने वाले मासूम नाबालिग बच्चों को मुसलमान बना दिया गया।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

खुदकशी की खेती

किसी कृषि प्रधान देश के लिये यह शर्मनाक स्थिति ही कही जायेगी कि एक साल के भीतर उसके दस हजार से ज्यादा किसान व खेती से जुड़े श्रमिक आत्मघाती कदम उठायें। रविवार को सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट यानी सीएसई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में कृषि क्षेत्र से जुड़े 10881 लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। इसके मायने ये हैं कि वर्ष 2021 में प्रतिदिन आत्महत्या करने वालों की संख्या तीस रही थी। उल्लेखनीय है कि इस एक साल में मरने वालों का आंकड़ा पिछले पांच वर्षों में सर्वाधिक रहा है। निश्चय ही यह चुनौतीपूर्ण समय था जब देश विश्वव्यापी कोरोना संकट से जूझ रहा था। वहीं किसान केंद्र सरकार द्वारा लाये गये तीन कृषि सुधारों के खिलाफ खड़ा था। उल्लेखनीय भी है कि वर्ष 2021 में सबसे अधिक आत्महत्या करने वाले किसानों व खेतिहर मजदूरों का आंकड़ा महाराष्ट्र में 4064 रहा। उसके बाद कर्नाटक में 2169 तथा फिर तीसरे नंबर पर मध्यप्रदेश में यह आंकड़ा 671 रहा। वहीं खाद्यान्न का कटोरा कहे जाने वाले पंजाब व हरियाणा में आत्महत्या करने वाले किसानों व खेतिहर श्रमिकों की यह संख्या 270 और 226 रही। इससे पहले वर्ष 2016 में करीब 11,379 कृषि कर्म से जुड़े सर्वाधिक लोगों ने आत्महत्याएं की थी। निस्संदेह यह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए कि पिछले वर्षों में इन आंकड़ों में गिरावट के बाद वर्ष 2021 में फिर आत्महत्या के मामलों में तेजी कैसे आई है। वास्तव में इस आंकड़े में तेजी की एक बड़ी वजह हाल के दिनों में मौसम के मिजाज में आए अप्रत्याशित बदलाव के चलते खाद्यान्न उत्पादन में आई गिरावट रही भी है। दरअसल, फसलों पर कीटों के प्रभाव तथा उपज के दाम में गिरावट के चलते किसानों के लिये लागत पाना भी कठिन हो गया। देश के बड़े हिस्से में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ भी नहीं मिल रहा है। किसान अपने घाटे को पूरा करने के लिये अकसर ऋण लेते हैं और फिर कर्ज के जाल में फंसकर रह जाते हैं। एजेंटों द्वारा अपमान व हताशा के बीच उन्हें आत्महत्या ही वैकल्पिक रास्ता लगता है। निस्संदेह, आज किसानों के लिये खेती घाटे का सौदा साबित हो रहा है। यही वजह है कि या तो किसान आत्महत्या कर रहे हैं या फिर उनके बच्चे बेहतर भविष्य की चाह में खेती छोड़ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि केंद्र सरकार ने किसानों को सब्जबाग दिखाते हुए जिस आय को दुगनी करने का वायदा किया था, उसका क्या हुआ? आज तत्काल रूप से किसानों के संरक्षण के लिये ऐसी नीतियों के क्रियान्वयन की जरूरत है जो किसानों को उनकी उपज का न्यायसंगत दाम दिला सके। यह दुःख की ही बात है कि जो अन्नदाता किसान अपने खून-पसीने की मेहनत से देश की खाद्य सुरक्षा में बड़ा योगदान देता है, हम उसके जीवन की रक्षा नहीं कर पाते। किसान की आय बढ़ाने के लिये विभिन्न सरकारों ने जिन नीतियों की घोषणा की थी, उनका व्यावहारिक धरातल पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि हकीकत में उसका लाभ किसानों को क्यों नहीं मिल रहा है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से फसलों पर जो घातक असर पड़ रहा है उससे उबरने के लिये किसानों को हर स्तर पर मदद की जानी चाहिए। कुछ ऐसे प्रयास हों जिससे किसानों का मनोबल ऊंचा हो। साथ ही मौसम के अतिरेक से फसलों को बचाने और उत्पादन बढ़ाने के लिये फसलों का विविधीकरण करने की जरूरत है। इसके अलावा उन्नत किस्म के बीज तैयार करने होंगे जो कम पानी और उच्च ताप में भी पर्याप्त उत्पादकता देने वाले हों। इसके लिये कृषि वैज्ञानिकों व कृषि विश्वविद्यालयों को युद्धस्तर पर प्रयास करने होंगे।

I WANT TO SAY...

केरल में मानसून में देरी के कारण झारखंड में भी मानसून देरी से पहुंचेगा। यह मौसम विभाग का पूर्वानुमान है। आंकड़े बता रहे हैं कि कहीं हीट-वेव ने परेशानी बढ़ाई है तो कहीं वर्षा ने लोगों को राहत दी है। मध्य व उत्तर पश्चिमी हिस्सों में देश के पश्चिमी हिस्से से आ रही गर्म हवाओं ने क्लाउड बैंड के असर को कम कर दिया है। इन हिस्सों में लगातार सिमट रही हरियाली के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी से जूझना पड़ रहा है। क्लाउड बैंड बनने के बाद भी इन क्षेत्रों में वर्षा नहीं हो पा रही है। राज्य में जब भी मानसून देरी से आया है, यहां सामान्य से कम वर्षा हुई है और इसका सीधा असर किसानी पर पड़ा है। दरअसल राज्य में मानसून में 1022.9 मिमी वर्षा को सामान्य माना जाता है। मौसम विज्ञान केंद्र के पिछले 9 साल के आंकड़ों को देखें तो सात वर्ष यहां मानसून देरी से पहुंचा है जबकि 2016 व 2021 को छोड़ दें तो हरेक बार सामान्य से कम वर्षा हुई है। 2018 में मानसून सबसे ज्यादा देरी से 25 जून को झारखंड में पहुंचा था और उस बार सबसे कम 784.4 मिमी वर्षा हुई थी। इस बार भी मानसून के देरी से आने की संभावना है। ऐसे में किसानों की परेशानी बढ़ सकती है। समय पर बुआई हो पाएगी या नहीं, असमंजस की स्थिति बनी हुई है। यह कृषि के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता क्योंकि आज भी राज्य में सिंचाई के लिए लोग मानसून की वर्षा पर आश्रित हैं।

एस अली, अध्यक्ष झारखंड छात्र संघ।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

डब्ल्यूटीसी महा मुकाबला आज से, भारत और आस्ट्रेलिया दोनों तैयार

– लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाएगा

लंदन (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया का सामना ऑस्ट्रेलिया से है। दोनों टीमों के बीच यह फाइनल मुकाबला बुधवार 7 जून से लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाना है। दोनों टीमों के खिलाड़ी ऐडी चोटी का जारे लगाने को तैयार है। आईसीसी ने फाइनल मैच के लिए रिजर्व-डे (12 जून) भी रखा है। यदि शुरुआती पांच दिनों में बारिश या अन्य कारणों से खेल खराब होने की स्थिति में इस रिजर्व-डे का उपयोग किया जाएगा। यदि पांचों दिन का खेल बिना किसी बाधा के पूरा होता है तो रिजर्व-डे का इस्तेमाल नहीं होगा।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2021-23 के प्वाइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 152 अंकों के साथ पहली और टीम इंडिया (127 अंक) ने दूसरी पोजिशन हासिल करके फाइनल में प्रवेश लिया है। वैसे भी दोनों टीमें एक तरीके से फाइनल में जगह बनाने की हकदार भी थीं क्योंकि आईसीसी रैंकिंग में टीम इंडिया पहले और ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे नंबर पर है। टीम इंडिया लगातार दूसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में उतरेगी, वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार फाइनल खेलने जा रही है। पिछले साल 2021 में साउथम्पटन में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

पिच की बात करें तो हाई स्कोरिंग पिच होने के बावजूद यहां गेंदबाजों को मदद मिल सकती है और यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि गेंदबाज आगे रहेंगे या बल्लेबाज, क्योंकि इंग्लैंड का मौसम हमेशा बदलता रहता है। दूसरे शब्दों में पिच गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को मदद करती है। ऐसे में टॉस का नतीजा अहम होगा। वहीं अगर बात करें इस मैदान में सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड बनाने वाली टीम का तो उसमे इंग्लैंड का नाम दर्ज है। जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 903 रन बनाए थे। पहली पारी का औसत स्?कोर 343 रन है। जबकि दूसरी पारी का औसत 304 रन है।

ओवल के मैदान में भारत और ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड की बात करें तो भारत ने अब तक इस मैदान पर 14 टेस्ट मैच खेले है। जिसमें से सिर्फ 2 में जीत मिली है, वहीं 5 मैचों में हार का मुंह देखना पड़ा हैं और 7 मैच में कोई निर्णय नहीं निकला हैं। वहीं आस्ट्रेलिया की बात करें तो अब तक इस

मैदान पर 38 टेस्ट मैच खेले है जिसमें से सिर्फ 7 में जीत मिली है, वहीं 17 मैचों में हार का मुंह देखना पड़ा हैं और 14 मैच में कोई निर्णय नहीं निकला हैं। ओवरऑल अभी तक भारत और आस्ट्रेलिया के बीच 106 टेस्ट खेला गया है। जिसमें से भारत को 32 और आस्ट्रेलिया को 44 मैचों में जीत मिली हैं। वहीं 29 मैच ड्रॉ रहे और एक मैच टाई रहा।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पेट कमिंस ने फाइनल के लिए पूरी टीम का नाम नहीं बताया, उन्होंने कहा कि बाकी टीम के मेकअप में कोई आश्चर्य नहीं है। बोलैंड का चयन उनके टेस्ट करियर के सर्वोच्च रिकॉर्ड के आधार पर है, उन्होंने अपने पहले सात मैचों में 13.42 की औसत से 28 विकेट लिए। वह ऑस्ट्रेलिया के अपेक्षित गेंदबाजी आक्रमण में कमिंस, कैमरन ग्रीन, मिशेल स्टार्क और नाथन लियोन के साथ शामिल होंगे। उनका 13.42 का औसत 20वीं सदी की शुरुआत के बाद से कम से कम 1000 गेंदें डालने वाले किसी भी टेस्ट क्रिकेटर से सबसे कम है। कमिंस के हवाले से कहा गया है, हम हर किसी को थोड़ा अलग तरीके से गेंदबाजी करने में माहिर हैं। स्कॉट अच्छी लेंथ पर तेज गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज है, लेकिन वह जोशी हेजलवुड को थोड़ा अलग ऑफर देता है और स्टार्सी का बाएं हाथ का बल्लेबाज होना थोड़ा अलग है। उन्होंने कहा, इसलिए, मुझे नहीं लगता कि कोई पेकिंग ऑर्डर है। आप उन तीन लोगों के बारे में सोचते हैं जिन्हें आप बाहर जाकर खेलना चाहते हैं।

वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस मुकाबले से पहले बयान देते हुए कहा कि वह खिताब जीतना चाहते हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा ने कहा, हर कोई टीम को आगे ले जाना चाहता है। हर कोई खिताब जीतना चाहता है। हर कप्तान चैंपियनशिप जीतना चाहता है और मैं अलग नहीं हूं। अगले पांच दिन हमारे लिए महत्वपूर्ण होने वाले हैं। हमारे दिमाग में जो है उस पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। रोहित शर्मा ने कहा, हम टीम को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। हमें पता है कि पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी क्या हुआ था। हम यहां पहले भी खेल चुके हैं।

बीट्रिज़ फ्रेंच ओपन टेनिस क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्राजीली महिला बनी

पेरिस (एजेंसी)। ब्राजील की बीट्रिज़ हद्दाद मैया स्पेन की सारा सोरिबेस टोर्मो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी हैं। बीट्रिज़ ने इस मैच में एक बड़ा उलटफेर करते हुए तीन घंटे 51 मिनट चले सबसे लंबे और संघर्षपूर्ण महिला एकल मुकाबले में सारा को 6-7(3), 6-3, 7-5 से हराया। बीट्रिज़ इस जीत के साथ ही 55 साल में फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्राजीली महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले ब्राज़ील की मारिया बुएनो ने साल 1968 में फ्रेंच ओपन और विंबलडन के क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया था।

अब क्वार्टरफाइनल में बीट्रिज़ का सामना ट्यूनीशिया की ओन्स जब्योर से होगा। आन्स ने प्री-क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की बर्नांडा पेरा को 6-3, 6-1 से हराया। जब्योर ने एकतरफा मुकाबले में अपनी अमेरिकी प्रतिद्वंदी को केवल 63 मिनट में ही हरा दिया। दूसरी ओर पुरुष एकल में नॉर्वे के कैस्पर रूड ने चिली के निकोलस जैरी को 7-6(3), 7-5, 7-5 से हराया। यह मुकाबला करीब सवा तीन घंटे तक चला।

हाइब्रिड मॉडल विकल्प एसीसी देशों ने खारिज किया, एशिया कप का बहिष्कार कर सकता है पाक

शारजाह। (एजेंसी)। कराची (ईएमएस)। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट से अब पाकिस्तान का बाहर होना तय है। इसका कारण है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) सदस्यों श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के प्रस्तावित 'हाइब्रिड मॉडल विकल्प को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान सितंबर में होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का मेजबान है पर भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से वहां जाने से इंकार कर दिया था। ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख नजम सेठी ने हाइब्रिड मॉडल का प्रस्ताव रखा था। इसके तहत भारत के मैच किसी अन्य देख में रखे जाते। अनुसार पाकिस्तान को एशिया कप के तीन या चार मुकाबले स्वदेश में कराने थे जबकि भारत के मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेले जा सकते थे। भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस विकल्प को इसलिए ठुकरा दिया क्योंकि इसी प्रकार की मांग पीसीबी भारत में होने वाले विश्वकप में भी कर सकता है। अब श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हाइब्रिड मॉडल को खारिज करने से पाक के एशिया कप से बाहर होने की संभावनाएं पक्की हो गयी हैं।

पीसीबी को अब पता है कि श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया कप के लिए उसके हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव का समर्थन नहीं कर रहे। ऐसे में पीबीबी के पास अपना विरोध दर्ज करने का एकमात्र तरीका ये है कि वह इस टूर्नामेंट का बहिष्कार कर दे।

साक्षी, विनेश, बजरंग बोले न्याय में नौकरी बाधा बनी तो तत्काल छोड़ देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने कहा है कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई होने तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। साथ ही कहा कि इस मामले में वे किभी भी प्रकार के दबाव में नहीं झुकेंगे और अगर नौकरी का डर दिखाया गया तो उसे भी छोड़ देंगे। वहीं प्रदर्शन कर रहे इन पहलवानों के अपनी नौकरी में वापसी जाने पर कुछ लोगों ने सोशल मीडिया के जरिये तंज कसा था कि जो खिलाड़ी अपने पदक गंगा नदी में बहाने जा रहे थे, वे अपनी नौकरी छोड़ दें। इसपर बजरंग, साक्षी और विनेश ने कहा है कि ऐसा उनकी छवि खराब करने के लिए कहा जा रहा है। इस प्रकार के लोग

चाहते है कि वे न्याय के लिए अपनी लड़ाई छोड़ दें। इन पहलवानों ने कहा जब जीवन ही दांव पर है, तब नौकरी तो क्या चीज है। इससे पहले यह भी कहा जा रहा था कि शीर्ष पहलवानों ने अपने को आंदोलन से अलग करते हुए अपनी नौकरियां फिर शुरु कर दी हैं। पहलवानों ने स्पष्टीकरण जारी किया कि उन्होंने रेलवे में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) के रूप में काम फिर से शुरू कर दिया है पर साथ ही अपना आंदोलन भी जारी रखा है।

उन्होंने कहा, जिन लोगों ने हमारे पदकों को 15-15 रुपये का बताया था, वे अब हमारी नौकरी के लिए लक्ष्य बना रहे हैं। जब जीवन दांव पर है, ऐसे में नौकरी एक छोटी सी चीज है। बजरंग, साक्षी और फोगट ने अपने ट्वीट में लिखा, नौकरी को अगर न्याय की राह में वह बाधा बनते देखेंगे तो उसे छोड़ने में दस सेकेंड भी नहीं लगायेंगे। इन पहलवानों ने इस बात का जोरदार खंडन किया कि उन्होंने अपना आंदोलन खत्म कर दिया है। बजरंग ने ट्विटर पर एक वीडियो संदेश भी डाला जिसमें लोगों से कहा गया कि अफवाहों और फर्जी दावों पर विश्वास न करें। उनका आंदोलन जारी है।

सिंधू और प्रणय सिंगापुर ओपन से बाहर, किदांबी श्रीकांत अगले राउंड में पहुंचे

सिंगापुर ओपन में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और मलेशिया मास्टर्स के विजेता एचएस प्रणॉय को पहले ही राउंड में बाहर होना पड़ा है। भारत को थोड़ी खुशी किदांबी श्रीकांत ने दी। उन्होंने दूसरे दौर में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पुरुष एकल के पहले दौर में थाईलैंड के केंटाफोन वेंगचारोन को सीधे गेम में 21-15 21-19 से हराया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत अगले दौर में जापान के केंटा निशिमोटो और चीनी ताइपे के चियो हाओ ली के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

आईपीएल की लय से आत्मविश्वास बढ़ेगा लेकिन डब्ल्यूटीसी फाइनल पूरी तरह से अलग मैच : गिल

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शानदार फॉर्म ने भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले आत्मविश्वास बढ़ाया है लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पांच दिवसीय मैच टी20 से पूरी तरह से अलग होगा।

गिल इस साल आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए 60 की औसत से 890 रनों के साथ टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने इस दौरान तीन शतक भी लगाये थे। गिल ने आईसीसी से कहा, ''इससे आपको (आईपीएल से) थोड़ा आत्मविश्वास मिलता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से अलग मैच होगा।'' उन्होंने कहा, '' इस खेल को यही चीज मजेदार बनाती है। पिछले सप्ताह हम पूरी तरह से अलग माहौल में खेल रहे थे और अब नयी तरह की चुनौती होगी। यही चीज टेस्ट मैच को रोमांचक बनाती है।'' गिल 2021 में साउथेम्प्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले फाइनल में आठ विकेट से हार का सामना करने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने उस मैच में 28 और आठ रन बनाए थे। तेईस साल के इस कलात्मक बल्लेबाज ने कहा कि उस निराशाजनक हार से उनकी टीम ने काफी कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, ''हम उन चीजों के बारे में बात कर रहे हैं जो हमने एक टीम के रूप में सीखी हैं। हम उस मैच की बल्लेबाजी पर भी बातचीत कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम पिछली बार की गई गलतियों को दूर करने में सक्षम होंगे।

पिछले 10 वर्षों में आईसीसी ट्रॉफी न जीत पाने का दबाव नहीं: द्रविड़

लंदन। (एजेंसी)। भारत ने भले ही पिछले 10 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कि कोई ट्रॉफी नहीं जीती हो लेकिन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने सोमवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले उनकी टीम पर इसको लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है। पूर्व भारतीय कप्तान ने हालांकि कहा कि ट्रॉफी जीतना अच्छा होगा जिसके लिए टीम पिछले दो वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही है। भारत 2021 में डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड से हार गया था जबकि आईसीसी के अन्य टूर्नामेंट में वह नॉकआउट चरण में हारता रहा है। द्रविड़ ने कहा,'' नहीं हम पर किसी तरह का दबाव नहीं है।

मेरे कहने का मतलब है कि आईसीसी ट्रॉफी जीतने का प्रयास करने का हम किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहे हैं। निश्चित तौर पर ट्रॉफी जीतना अच्छा होगा। आईसीसी टूर्नामेंट जीतने में सक्षम होना निश्चित तौर पर अच्छा होगा। लेकिन इस संदर्भ में आपको यह भी देखना होगा कि यह दो साल की कड़ी मेहनत का चरम है।'' उन्होंने कहा,'' कई सफलताएं हासिल करने के बाद ही

आप यहां तक पहुंचते हैं। इसलिए हमारे पास कई सकारात्मक पहलू हैं। ऑस्ट्रेलिया से श्रृंखला जीतना, यहां श्रृंखला ड्रॉ कराना, हर जगह कड़ी प्रतिस्पर्धा करना जो इस टीम के पास है।'' द्रविड़ ने कहा,''यह चीजें केवल इसलिए नहीं बदल जाएंगी कि आपने आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है। यह वास्तव में बड़ी तस्वीर है।''

मध्यक्रम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 18 महीने में अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं और असफल होने पर उनका करियर भी समाप्त हो सकता है। द्रविड़ ने इस अनुभवी बल्लेबाज को भी सलाह दी। द्रविड़ ने कहा,'' यह अच्छा है कि वह टीम के साथ है। कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण उसे टीम में वापसी करने का मौका मिला। यह अच्छा है कि हमारे पास उस जैसा कुशल खिलाड़ी है।'' उन्होंने कहा,'' उसके आने से टीम में अनुभव का इजाफा हुआ है। वह विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करता रहा है और यहां तक कि इंग्लैंड में भी उसने कुछ शानदार पारियां खेली हैं।

उसकी अगुवाई में टीम ने कुछ अच्छी सफलताएं हासिल की हैं। मैं नहीं चाहता कि वह इसे एकमात्र अवसर के रूप में देखे।'' चेतेश्वर पुजारा ने हाल में काउंटी क्रिकेट में ढेरों रन बनाए और द्रविड़ ने कहा कि उनकी सलाह से टीम को काफी मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा,'' हमारी पुजारा के साथ कप्तानी और निश्चित तौर पर बल्लेबाजी को लेकर बात हुई। उसने ससेक्स की कप्तानी भी की और इसलिए उसे काउंटी में खेलने वाले गेंदबाजों की रणनीति की अच्छी समझ है। इसलिए हमने उसके साथ इस बारे में बातचीत की और देखते हैं कि उसकी सलाह पर हम कैसे अमल कर पाते हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजों को नई गेंद से बहकना नहीं चाहिए : अकरम

लंदन। पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर वसीम अकरम ने सोमवार को कहा कि भारतीय तेज गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में नई गेंद हाथ में आने पर बहकना नहीं चाहिए और सफलता हासिल करने के लिए धैर्य बरतना चाहिए। विश्व की नंबर एक टीम भारत और दूसरे स्थान की टीम ऑस्ट्रेलिया सात जून से ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगे। अकरम को उम्मीद है कि मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज जैसे भारतीय तेज गेंदबाज मैदान पर समझदारी भरी रणनीति अपनाएंगे। आईसीसी के अनुसार अकरम ने कहा,'' भारतीय गेंदबाज काफी अनुभवी है और उन्हें (नई गेंद हाथ में आने पर) बहकना नहीं चाहिए। हम सभी जानते हैं कि 10 से 15 ओवर तक गेंद स्विंग करती है इसलिए एक तेज गेंदबाज के रूप में पहले 10 से 15 ओवर में अतिरिक्त रन नहीं लुटाएं।'' उन्होंने कहा,'' यदि शुरुआत में थोड़ा उछाल मिलती है तो उत्साहित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई यही चाहते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ एक मात्र टेस्ट में बांग्लादेश की कप्तानी करेंगे लिटन

मीरपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास को अफगानिस्तान के खिलाफ 14 जून से होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम का कप्तान बनाया है। बीसीबी ने लिटन की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की भी घोषणा की है। इस मैच के लिए अफगानिस्तान की टीम 10 जून को बंगलादेश पहुंचेगी। इस दौरान पांच-दिवसीय मैच मीरपुर के शेर-ए-बंगला स्टेडियम में खेला जाएगा।

लिटन ने पहले भी चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की है। टेस्ट प्रारूप में हालांकि वह पहली बार टीम की कप्तानी संभालेंगे। नियमित टेस्ट कप्तान शाकिब अल हसन आयरलैंड के खिलाफ मैच में चोटिल हो गये थे। इसी कारण लिटन को कप्तान बनाया गया है। इस मैच से तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद भी टीम में वापसी करेंगे। वह पिछले काफी समय से खिंचाव के कारण टीम से बाहर थे। इसके अलावा युवा बल्लेबाज शहादत हुसैन और गेंदबाज मुश्फिक हसन को भी टीम में जगह मिली है।

बंगलादेश टीम इस प्रकार है : लिटन दास (कप्तान), तमीम इकबाल, जाकिर हसन, नजमुल हुसैन शांतो, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन, तस्किन अहमद, शोरिफुल इस्लाम, महमूदुल हसन जॉय, शहादत हुसैन और मुश्फिक हसन।

भारत-पाक क्रिकेट टीमों के बीच इस साल कई मुकाबले खेले जाएंगे

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबलों का हमेशा से ही प्रशंसकों को इंतजार रहता है हालांकि दोनो देशों के बीच तनाव के कारण इनके बीच द्विपक्षीय मुकाबले बंद हैं। ऐसे में दोनो ही टीमें आईसीसी मुकाबलों में ही एकदूसरे का सामना करती नजर आती है। इस साल दोनो ही टीमों के बीच ही कई मुकाबले होने हैं। ऐसे में प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। इसमें दोनो के ही बीच सबसे पहला मुकाबला हांगकांग में महिलाओं के एमर्जिंग एशिया कप के लीग राउंड में 17 जून को होगा। इसके बाद दोनों ग्रुप की शीर्ष-2 टीमें नॉकआउट दौर में पहुंचेंगी। यहां भी भारत और पाक के बीच मुकाबला हो सकता है। इसके बाद पुरुष एकदिवसीय विश्वकप कप के मुकाबले अक्टूबर-नवंबर में भारत में होंगे। इसमें कुल 10 टीमें उतरेंगी। सभी टीम को लीग राउंड में विरोधी टीम से भिड़ना है। यहां भी भारत और पाकिस्तान के बीच यहां भी एक बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। इस दौरान नॉकआउट राउंड में भी भारत-पाक के बीच मुकाबला हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारुपों की बात करें तो, भारत और पाक के बीच अब तक 203 मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम ने 72 जबकि पाक टीम ने 88 मैच जीते हैं। वहीं एक मुकाबला टाई रहा जबकि 36 मुकाबले ड्रॉ रहे।

डब्लयूटीसी फाइनल में कई रिकार्ड बना सकते हैं विराट

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से यहां के ओवल मैदान में शुरु हो रहे भारत-ऑस्ट्रेलिया आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। इस मुकाबले में भारतीय टीम की बल्लेबाजी अनुभवी विराट कोहली पर आधारित रहेगी। विराट ने आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर अपना फार्म हासिल कर लिया है। विराट के पास इस मैच में एकसाथ कई रिकार्ड बनाने का अवसर है।

विराट को रिकार्ड वैसे भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 टेस्ट मैचों में उन्होंने 48.26 की औसत से 1,979 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 186 है। आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैचों में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन विराट के नाम हैं। विराट ने 15 नॉकआउट मैचों की 16 पारियों में 51.66 की औसत से 620 रन बनाए हैं। उन्होंने नॉकआउट मैचों में 96 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ छह अर्द्धशतक बनाए हैं। यदि वह बड़ा स्कोर बनाते हैं तो वह सचिन तेंदुलकर के 14 नॉकआउट पारियों में एक शतक और पांच अर्द्धशतक के साथ 657 रन और रिकी पोंटिंग के 18 पारियों में तीन शतक और एक अर्धशतक के साथ 731 रन के रिकार्ड को तोड़ सकते हैं।

वहीं एक गेंदबाज के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट रन का रिकार्ड भारत के ही चेतेश्वर पुजारा के नाम है। उन्होंने नाथन लायन के खिलाफ कुल 570 रन बनाए हैं। वहीं विराट ने नाथन के खिलाफ 511 रन बनाये है ओर इस प्रकार इस मैच में उनके पास पुजारा का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है।

इसके अलावा इंग्लैंड में एक भारतीय बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का रिकार्ड अभी राहुल द्रविड़ के नाम हैं। इंग्लैंड में द्रविड़ ने 46 मैचों में कुल आठ शतक और 15 अर्द्धशतक की सहायता से 55.10 की औसत से 2,645 रन बनाए हैं। वहीं विराट के नाम 56 मैचों में 40.85 की औसत से 2,574 रन रन हैं ऐसे में उन्हें द्रविड़ से आगे निकलने के लिए केवल 72 रनों की जरुरत है।

इसके अलावा विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो और उपलब्धियां भी हासिल कर सकते हैं। उपलब्धियांस हासिल करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में विराट ने 24 मैचों में आठ शतक और पांच अर्द्धशतक के साथ 48.26 की औसत से 1,979 रन बनाए हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में 2,000 रन पूरे करने के लिए केवल 21 रनों की जरुरत है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 मैचों में 50.97 की औसत से 4,945 रन बनाए हैं। ऐसे में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 55 और रन बनाने की जरुरत है।

धनुष ने जूनियर विश्व कप निशानेबाजी में स्वर्ण पर निशाना लगाया

सुहल। भारत के धनुष श्रीकांत ने जर्मनी के सुहल में जारी आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत को तीसरा स्वर्ण दिलाया है। श्रीकांत ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीत के साथ ही स्वर्ण पदक अपने नाम किया। धनुष ने इस दौरान 24 शॉट के फाइनल में 249.4 का स्कोर करके स्वीडन के रजत पदक विजेता पोंटस कालिन को 1.3 अंक से पीछे छोड़ा। धनुष ने क्वालिफिकेशन में 628.4 अंक हासिल कर छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनायी है। धनुष ने फाइनल में शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया तथा लगातार बढ़त बनाए रखी और अपने विरोध को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं फ्रांस के रोमेन औफेरे को कांस्य पदक मिला। भारतीय निशानेबाजों ने स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक अपने नाम किया। हरमेहर लैली और संजना सूद ने शूटऑफ में स्वीडन के डेविड जानसन और फ़ेलिशिया रोस को हराकर यह कांस्य जीता। भारतीय टीम अब पदक तालिका में तीन स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य के साथ ही शीर्ष पर पहुंच गयी है।

नेपोटिज्म का प्रोडक्ट कहलाने पर चिढ़ते हैं शाहिद कपूर

खुद के दम पर बनाया नाम ; आगे बढ़ने में पिता का नहीं रहा रोल

शाहिद कपूर अपनी निजी लाइफ के बारे में बात करना कम ही पसंद करते हैं। हालांकि एक रिसेंट इटरव्यू में उन्होंने कुछ अनकही बातों से पर्दा उठाया है। शाहिद ने बताया कि उनको पालने पोसने में उनकी मां नीलिमा अजीम का इकलौता रोल रहा है। शाहिद ने कहा कि जब कोई उन्हें नेपोटिज्म का प्रोडक्ट कहता है तो उन्हें काफी बुरा लगता है। शाहिद के मुताबिक, उनकी सफलता में पिता पंकज कपूर का कोई योगदान नहीं है। शाहिद का कहना है कि उन्होंने आज जो भी नाम कमाया है, वो खुद की मेहनत और लगन की वजह से है।

मेरे स्ट्रगल के बारे में लोगों को जानकारी नहीं

शाहिद ने कहा कि जब दो दशक पहले उन्होंने इंडस्ट्री में डेब्यू किया तो लोगों ने उन्हें नेपोटिज्म का प्रोडक्ट कहा। बॉलीवुड बबल को दिए रिसेंट इंटरव्यू में शाहिद ने कहा- मैं एक सेल्फ मेड स्टार हूं। लोगों को लगता है कि मेरे पिता का नाम पंकज कपूर है तो मेरे लिए इंडस्ट्री की राहें आसान हो गई होंगी। ऐसा बिल्कुल नहीं है। अभी आपको मेरे स्ट्रगल के बारे में पता ही नहीं है। मेरे पिता तो मेरे साथ रहते तक नहीं थे। मैं अपनी मां के परवरिश में पला बढ़ा हूं। उन्होंने मेरे लिए कभी किसी से सिफारिश नहीं की। मैंने भी कभी उनसे मदद नहीं मांगी।

नीलिमा ने तीन शादियां की, सभी टूटीं

शाहिद ने कहा कि उनकी मां नीलिमा अजीम ने उन्हें और उनके सौतेले भाई ईशान खट्टर को अकेले पाला है। बता दें कि नीलिमा अजीम ने कुल तीन शादियां की हैं। पहली शादी पंकज कपूर से हुई थी, जो 1979 से 1984 तक चली। इन दोनों से शाहिद का जन्म हुआ। इसके बाद 1990 में उन्होंने एक्टर राजेश खट्टर से शादी की। ये भी शादी ज्यादा दिन नहीं चल सकी और 2001 में इनका भी तलाक हो गया। हालांकि तब तक का ईशान खट्टर का जन्म हो गया था। तीसरी शादी नीलिमा ने 2004 में रजा अली खान नाम के एक तबला वादक से की। 2009 में ये भी शादी टूट गई।

मां का एहसान कभी नहीं चुका सकते

शाहिद ने बताया कि उनकी मां ने उन्हें और ईशान को कैसे पाला है। उन्होंने कहा- वे बहुत प्यारी हैं, मेरी और ईशान की परवरिश उन्होंने ही की है। उन्होंने जो भी किया है, हम कभी उसका एहसान नहीं चुका सकते। वे हमारे लिए एक ढाल की तरह रही हैं। खैर मुझे इन सब चीजों के बारे में बात करना पसंद नहीं है, मुझे नहीं लगता कि सब कुछ शेयर करना चाहिए। हम सभी एक दूसरे के लिए खड़े हैं, यही अहम होना चाहिए।

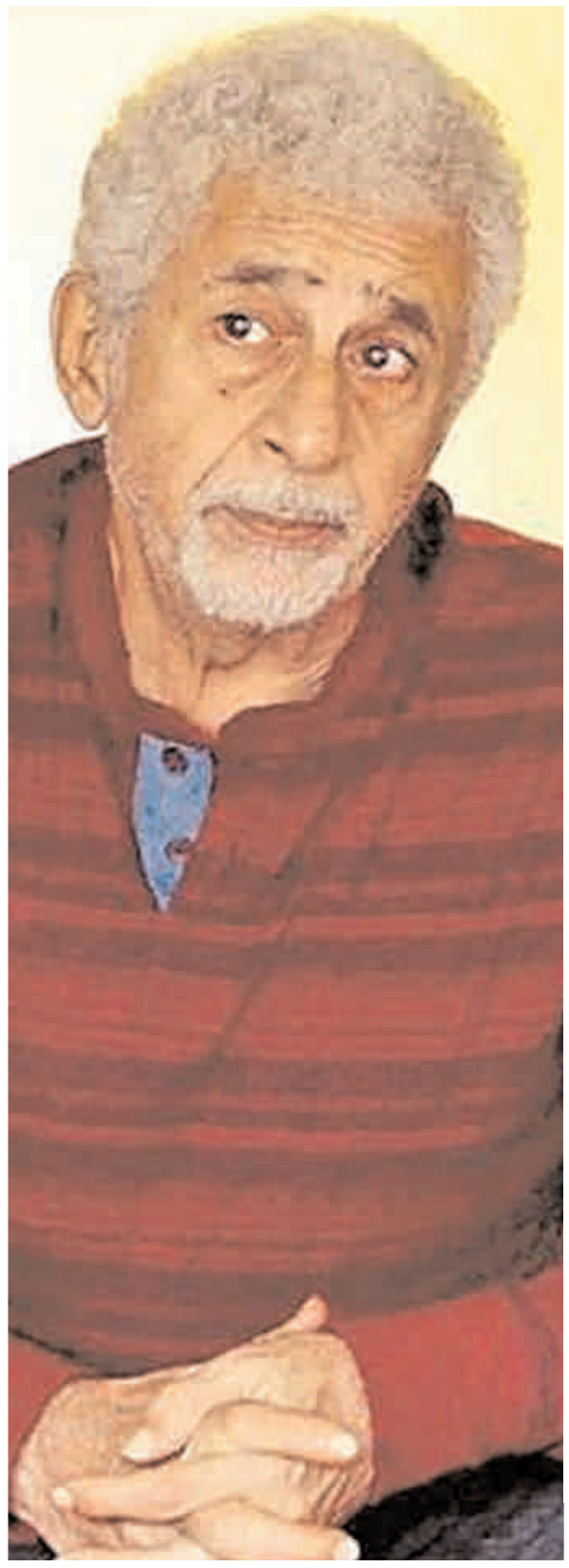

साइरस साहूकार को याद आए शाहरुख के साथ बिताए पुराने दिन

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान की गिनती उन स्टार्स में होती हैं, जो हमेशा अपने प्रशंसकों को लुभाने में सफल होते हैं। चाहे स्क्रीन पर एक शानदार प्रदर्शन हो या एक आकर्षक साक्षात्कार के माध्यम से, वह अपने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए सहज आकर्षण और प्रतिभा रखता है। उनके इस उल्लेखनीय गुण ने उद्योग जगत के उन लोगों को भी प्रभावित किया है, जिनमें प्रसिद्ध कॉमेडियन साइरस ब्रोचा और साइरस साहूकार शामिल हैं। एक पोडकास्ट में दोनों बॉलीवुड सुपरस्टार के बारे में स्पष्ट हो गए और साहूकार ने एक कहानी सुनाई, जिसमें बताया गया कि खान कितना अद्भुत व्यक्ति हैं। साइरस साहूकार सिग्नेचर मास्टरक्लास प्रोग्राम के एक एपिसोड की शूटिंग कर रहे थे, उस समय घटी एक घटना को याद करते हुए कॉमेडियन ने कहा, मैंने उनके साथ मास्टरक्लास किया। यह उनके जीवन और यात्रा पर एक घंटे-पच्चीस मिनट का शो था। उस शो के बीच में, जब शाहरुख अपने बचपन के बारे में बात कर रहे थे कि कैसे उन्हें कभी हां कभी ना मिला और वह जिंदगी को लेकर कितने नर्वस थे तो सामने की पंक्ति में बैठे एक चाचा ने शाहरुख का नाम चिल्लाना शुरू कर दिया। आज कमजोरी लग रही आंखों में थोड़ी साहूकार ने दर्शकों के सदस्य को यह कहते हुए उद्धृत किया और कहा कि यह सुनकर बॉलीवुड सुपरस्टार रुक गए और उस व्यक्ति को जवाब दिया हा, ठीक है ... मैं आपसे बाद में बात करूंगा।

मानवी गागरू ने मैरिड लाइफ पर की बात

शादी के बाद की जिंदगी पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, काफी अच्छा लग रहा है, क्योंकि दिन खत्म होने के बाद हम और वरुण जब एक-दूसरे के साथ घर आते हैं तो काफी अच्छा महसूस होता है। वरुण और हम ऐसा ही जीवन चाहते थे। फिल्म शुभ मंगल ज्यादा सावधान फेम अभिनेत्री मानवी गागरू ने इस साल फरवरी में कॉमेडियन कुमार वरुण से शादी रचाई। मानवी ने एक बेहद निजी समारोह में सिर्फ दोस्त और परिवार की उपस्थिति में शादी की। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने पहली बार अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने वरुण के साथ शादी के बाद जिंदगी में आए बदलावों पर भी बात की।

-इसलिए लिया शादी का फैसला

शादी के बाद की जिंदगी पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, काफी अच्छा लग रहा है, क्योंकि दिन खत्म होने के बाद हम और वरुण जब एक-दूसरे के साथ घर आते हैं तो काफी अच्छा महसूस होता है। वरुण और हम ऐसा ही जीवन चाहते थे। उन्होंने आगे कहा कि, हम अपनी पेशेवर जिंदगी में काफी ज्यादा व्यस्त हैं। यही वजह है कि हमने शादी का फैसला लिया, ताकि व्यस्त रहते हुए भी एक-दूसरे को देख सकें और ख्याल रख सकें।

-जिंदगी में आया बदल?

एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान मानवी ने कहा शादीशुदा जिंदगी को लेकर मैं बस यही कहती हूं कि सब अच्छा है। शादीशुदा जिंदगी वैसी ही है जैसी मेरी जिंदगी पहले थी और यह एक अच्छी बात है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, शादी के बाद जिंदगी में कोई बदलाव नहीं आया, और ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि हम जॉइंट परिवारों में नहीं रहते। मैं अपने ससुराल वालों के साथ नहीं रहती हूं। शायद इसलिए कोई बदलाव नहीं आया।

-एक वक्त में एक प्रोजेक्ट

बता दें कि मानवी इन दिनों अपने नए शो के लिए वर्कशॉप कर रही हैं। मानवी का कहना है कि काम और जिंदगी के बीच में संतुलन रखना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस का कहना है कि कुछ लोग बैक टू बैक काम करना पसंद करते हैं। पहले वह खुद भी ऐसा ही करती थीं, लेकिन अब वह एक वक्त में सिर्फ एक ही प्रोजेक्ट करना चाहती हैं। इसके बाद एक हॉलीडे ब्रेक लेती हैं और फिर अगला काम शुरू करती हैं।

-एक्ट्रेस मानवी गागरू ने मैरिड लाइफ पर की बात

शादी के बाद की जिंदगी पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, काफी अच्छा लग रहा है, क्योंकि दिन खत्म होने के बाद हम और वरुण जब एक-दूसरे के साथ घर आते हैं तो काफी अच्छा महसूस होता है। वरुण और हम ऐसा ही जीवन चाहते थे। फिल्म शुभ मंगल ज्यादा सावधान फेम अभिनेत्री मानवी गागरू ने इस साल फरवरी में कॉमेडियन कुमार वरुण से शादी रचाई। मानवी ने एक बेहद निजी समारोह में सिर्फ दोस्त और परिवार की उपस्थिति में शादी की। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने पहली बार अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने वरुण के साथ शादी के बाद जिंदगी में आए बदलावों पर भी बात की।

एक्ट्रेस स्नेहा जैन का रिजेक्शन पर छलका दर्द

एक्ट्रेस स्नेहा जैन पिछली बार साथ निभाना साथिया 2 में नजर आई थीं। इस शो ने उन्हें घर-घर मशहूर कर दिया था। हालांकि उनका एक्टिंग का यह सफर आसान नहीं रहा। स्नेहा जैन ने टीवी शो कृष्णा दासी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। लेकिन इस शो से उन्हें सिर्फ 6 दिन में बाहर निकाल दिया गया था। स्नेहा जैन को एक्टिंग और कैमरे से इस कदर प्यार है कि वह कहती हैं कि इसके बिना जी नहीं सकतीं। स्नेहा जैन ने और भी कुछ टीवी शोज में काम किया, पर लोग उन्हें अब भी साथ निभाना साथिया 2 से ही याद करते हैं। साथ निभाना साथिया 2 के बारे में कहती हैं, यह काफी पॉपुलर और बहुत बड़ा शो था और उस शो के लिए मुझे लोगों से बहुत प्यार मिला। तो हां, मैं कह सकती हूं कि यह मेरा पहला बच्चा है। पिछले आठ-नौ महीने से मैं घर पर थी और वह मेरी व्यक्तिगत पसंद थी, क्योंकि मैं अपने लिए समय निकालना चाहती थी, ताकि मैं जो अगला किरदार निभाऊं, मैं उसे अच्छे से जस्टिफाई कर सकूं। मैं अपने परिवार के साथ अपने दोस्तों के साथ समय बिताना चाहता थी। इन दिनों स्नेहा जनम जनम का साथ की में लीड किरदार विधि के रूप में नजर आ रही हैं। वह अपनी भूमिका के बारे में कहती हैं, मेरे किरदार का नाम विधि है। जाहिर है कि वह शो की हीरोइन है और मैं कह सकती हूं कि वह बहुत ही आकर्षक, जानेमन और वह कमाल की लड़की है, जो अपने परिवार और प्रियजन के लिए कुछ भी कुर्बानी देने के लिए तैयार है, लेकिन साथ ही, वह खुद के लिए भी स्टैंड लेती है। अपने पिछले शो में मैं गुजराती बनी थी और मेरा विधि का चरित्र मारवाड़ी है, तो इसकी मारवाड़ी भाषा ने मुझे यह किरदार लेने को प्रेरित किया। मुझे लगा कि मैं एक नई भाषा और संस्कृति पर काम करूंगी और अपने रोल को और ज्यादा मजबूत बनाऊंगी।

नेहा सोलंकी ने तितली में अपने किरदार के लिए किया मुंबई के दादर फ्लावर मार्केट का दौरा

स्टारप्लस दर्शकों के लिए एक अलग और पहले कभी न देखी गई लव स्टोरी तितली लेकर आया है। यह शो आपको रोमांस के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर देगा कि क्या यह वाकई प्यार है? तितली के साथ स्टारप्लस ने एक और प्रतिभाशाली एक्ट्रेस - नेहा सोलंकी को लॉन्च किया है। नेहा सोलंकी तितली में टाइटलर रोल निभाती नजर आएंगी। तितली शो एक ट्विस्टेड लव स्टोरी है जहां तितली नाम की एक खुशमिजाज और जीवंत लड़की अपने आइडियल पार्टनर को खोजने और उसके साथ एक फेयरीटेल लाइफ जीने की तलाश में है। इस शो में नेहा के अपोजिट अविनाश मिश्रा, गर्व का किरदार निभा रहे हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि तितली के जीवन में ड्रामा कैसे सामने आता है और क्या दोनों हमेशा साथ खुश रहेंगे? इस शो में नेहा उर्फ तितली एक फ्लोरिस्ट की भूमिका में हैं। तितली फूलों को बहुत पसंद करती है और उससे प्यार करती है। इसके साथ ही तितली फूलों की अच्छी जानकारी भी रखती है। तितली अहमदाबाद से हैं और हाल ही में तितली मुंबई की मशहूर फ्लावर मार्केट गई जो दादर में है, जहां उन्होंने अपने आसपास के लोगों के साथ बातचीत की। इस पर नेहा सोलंकी उर्फ तितली ने कहा, जब से मुझे पता चला कि मैं एक फ्लोरिस्ट का रोल प्ले कर रही हूं, मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित थी। क्योंकि मैं नैनीताल की रहने वाली हूं, इसलिए बचपन से ही मैं हमेशा अलग अलग तरह के फूलों से घिरी रही हूं। जब मैं छोटी थी तो स्कूल ब्रेक के दौरान मैं अक्सर फ्लावर वैली घूमने जाती थी। ऐसा लगता है जैसे मैं एक फ्लोरिस्ट की भूमिका के लिए ही बनी हूं क्योंकि मैं फूलों के आसपास बड़ी हुई हूं।

फिल्म अवॉर्ड लॉबिंग से मिलते हैं, इनका कोई मतलब नहीं

एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने बॉलीवुड में मिलने वाले अवॉर्ड्स पर तंज कसा है। उन्होंने कहा- मेरे लिए इन अवॉर्ड्स का अब कोई मतलब नहीं है। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में मिलने वाली ट्रॉफी को मैं वॉशरूम के हैंडल के तौर पर यूज करता हूं। जब कोई मेरे घर के वॉशरूम में जाएगा तो उसे दरवाजे पर फिल्मफेयर की दो ट्रॉफियां हैंडल के रूप में लटकी मिलेंगीं। पहले इन अवॉर्ड्स पर खुशी मिलती थी नसीरुद्दीन शाह ने मुंबई में एक फार्महाउस बनवाया है। वहां के दरवाजों पर जो हैंडल लगे हुए हैं, वे सभी उन्हें मिलने वाली ट्रॉफियों से बनाए गए हैं। शाह से इसी संबंध में सवाल किए गए थे। उन्होंने एक मीडिया हाउस से बात करते हुए कहा- अब मेरे लिए इन अवॉर्ड्स का कोई मतलब नहीं है। पहले इन अवॉर्ड्स को जीतने के बाद खुशी मिलती थी। धीरे-धीरे करके ऐसे बहुत सारे अवॉर्ड्स हो गए। कुछ वक्त बाद एहसास हुआ कि ये अवॉर्ड्स लॉबिंग का नतीजा हैं। उन लोगों को अवॉर्ड्स मिलने स्टार्ट हुए जो इसके लायक ही नहीं हैं। इसके बाद ही मेरा इन अवॉर्ड्स से नाता टूटने जाता है। उन्होंने अपने करियर में कई अवॉर्ड्स जीते हैं। नसीरुद्दीन शाह को एक्टिंग में विविधता करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में कई अवॉर्ड्स जीते हैं। शाह ने आगे कहा- मेरे पिता मुझे बेवकूफ समझते थे। उन्हें लगता था कि मैं जिंदगी में कुछ नहीं कर पाऊंगा। वे नहीं चाहते थे कि मैं एक्टिंग में करियर बनाऊं। जब मुझे सरकार की तरफ से पद्मश्री और पद्म भूषण मिला तो मुझे अपने पिता की याद आई। मैं राष्ट्रपति भवन में इन पुरस्कारों को लेने के लिए जा रहा था, तो बार-बार पिता की वो बातें जेहन में आ रही थीं। मैं बार-बार आसमान की तरफ देख कर पिता से यही कहता कि क्या आपको ये लम्हा दिखाई दे रहा है। खैर वे जहां होंगे उन्हें खुशी ही हुई होगी। पद्म अवॉर्ड्स मिलना मेरे लिए खुशी की बात थी, लेकिन इन फिल्मी अवॉर्ड्स का मेरे लिए कोई मतलब नहीं है। नसीरुद्दीन शाह का कहना है- मुझे इन अवॉर्ड्स का कॉन्सेप्ट समझ नहीं आता है। मेहनत तो सभी कलाकार करते हैं, लेकिन साल के सबसे बेस्ट एक्टर की ट्रॉफी सिर्फ एक एक्टर को पकड़ा दी जाती है। ये सही नहीं है। पिछले दो अवॉर्ड्स को मैं लेने तक नहीं गया। इसलिए मैंने एक फार्महाउस बनवाया और वहां के वॉशरूम में इन अवॉर्ड्स को रखने का फैसला किया।